सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 222 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 26 मई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

नए संसद भवन के उद्घाटन पर 75 रुपए का सिक्का जारी करेगी सरकार

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को करेंगे नए संसद भवन परिसर का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्रालय गुरुवार को संसद भवन की नई इमारत के उद्घाटन के उपलक्ष्य में 75 रुपए का सिक्का जारी करने का एलान किया है। इस सिक्के पर नए संसद भवन परिसर की तस्वीर छपी होगी। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को नए संसद भवन परिसर का उद्घाटन करेंगे।

यह है 75 रुपए के सिक्के की खास बातें

वित्त मंत्रालय ने जो नोटिस जारी किया है, उसके मुताबिक यह 75 रुपए का सिक्का गोलाकार होगा और इसका क्षेत्रफल 44 मिलीमीटर होगा। इस सिक्के के किनारों पर 200 कंगूरे बनाए गए हैं। इस सिक्के को 50 प्रतिशत चांदी, 40 प्रतिशत तांबा, पांच प्रतिशत निकल और 5 प्रतिशत जिंक से मिलाकर बनाया जाएगा। सिक्के पर सत्यमेव जयते लिखा होगा और साथ ही सिक्के पर अशोक स्तंभ भी उकेरा जाएगा। सिक्के की बांयी तरफ देवनागरी भाषा में भारत और इंग्लिश में इंडिया लिखा होगा। उसी तरह सिक्के के ऊपरी तरफदेवनागरी भाषा में संसद भवन लिखा होगा और साथ ही इसके नीचे संसद भवन परिसर की तस्वीर छपी होगी। सिक्के का डिजाइन संविधान की पहली अनुसूची के अनुसार किया गया है।

विपक्षी पार्टियां नहीं होंगी शामिल

बता दें संसद भवन की नई इमारत के उद्घाटन को लेकर राजनीति खूब हो रही है। दरअसल विपक्षी पार्टियां राष्ट्रपति से नए संसद भवन परिसर का उद्घाटन कराने की मांग कर रही हैं। इसके कारण 20 विपक्षी दलों ने संसद भवन के नए परिसर के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार कर दिया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि राष्ट्रपति को संसद भवन के नए परिसर का उद्घाटन ना कराना और ना ही उन्हें समारोह में बुलाना, देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान है।

खास - खबर

तीन दिन बंद रहेगा डबरा पारा तिराहा, दुर्ग-रायपुर के लिए यह है यातायात विभाग का प्लान

भिलाई। एनएच 53 पर भिलाई से रायपुर के बीच अलग-अलग जगहों पर ओवर ब्रिज का काम चल रहा है। इस बीच नर्माणाधीन डबरापारा तिराहे के पास पाइप लाइन के कार्य के लिए तीन दिन तक यहां से ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार से सोमवार तक तीन दिनों के लिए ट्रैफिक को डायर्वट करने का फैसला लिया है। दुर्ग से रायपुर के लिए लोग उतई, सेलूद, फण्डा, मोतीपुर अम्लेश्वर मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। यातायात पुलिस से मिली जानकारी के डबरापारा तिराहे पर पाइप लाइन का काम होना है। इसके लिए शनिवार और रविवार को दुर्ग से रायपुर मार्ग डबरापारा के पास बंद रहेगा। इस दौरान हल्के भारी वाहनों को खुर्सीपार चौक से केनाल रोड, हथखोज से उमदा, भिलाई 3 मार्ग से जाने दिया जाएगा। इसके साथ ही हल्के वाहनों को केनाल रोड के जीरो पाइंट से डबरापारा तिराहा से निकाला जाएगा। सोमवार के दिन रायपुर से दुर्ग की तरफ की लेन का काम होगा इस दौरान रायपुर से दुर्ग आने वाले वाहोनों को डबरापारा मंदिर कटिंग के सामने से विपरीत दिशा से निकाला जाएगा।

छत्तीसगढ़ में कोरोना की रफ्तार धीमी, पिछले 24 घंटे में 16 नए मामले आए

रायपुर। छत्तीसगढ़ मे कोरोना के आंकड़ों में काफी गिरावट दर्ज की गई है। पिछले कई दिनों से कोरोना के मरीज बहुत कम आ रहे है। छत्तीसगढ़ मे पिछले 24 घंटे 16 नए कोरोना के नए मामले सामने आए है। वही 1886 सैम्पलों की जांच की गई है। इस दौरान औसत पॉजिटिविटी दर 0.85 प्रतिशत रही। सबसे ज्यादा 5 नए मामले बलौदाबाजार से सामने आए हैं, इसके अलावा रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या में भी लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। बीते 24 घंटे में प्रदेशभर से 25 मरीज़ स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज/ रिकवर्ड हुए। आज नए मरीज मिलने के बाद प्रदेश में सक्रीय कोरोना संक्रमितों की तादाद घटकर 131 रह गई हैं।

राजनांदगांव से 1, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही से 1, जांजगीर-चांपा से 1, जशपुर से 1, बिलासपुर से 1, कांकेर से 2, रायपुर से 2, दुर्ग से 2 और बलौदाबाजार में 5 नए कोरोना संक्रमित पाए गए इसके अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में कोरोना का कोई नया मामला नहीं आया है।

छत्तीसगढ़ में हुआ मितान सेवाओं का विस्तार अब घर बैठे बनवा सकेंगे अपना राशन कार्ड

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर मितान योजना को किया गया अपग्रेड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर मितान योजना की सेवाओं का विस्तार कर दिया गया। अब अन्य सेवाओं के साथ लोगों का राशन कार्ड भी घर बैठे ही बन जाएगा। राशन-कार्ड बनवाने के लिए टोल फ्री नंबर 14545 डायल करना होगा। इसके बाद छत्तीसगढ़ मितान आपके घर पर पहुंचकर आपका राशन कार्ड बनाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है।

आपकों बता दें कि छत्तीसगढ़ प्रदेश के 14 नगर निगमों में शुरू किए गए मितान योजना में राशन कार्ड बनाने के लिए लोगों को टोल फ्री नंबर 14545 में कॉल करना होगा। इसी नंबर पर मूल निवासी, जाति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज बनाने की सुविधा घर बैठे मिलती है। जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार के द्वारा कराए गए सामाजिक और आर्थिक सर्वेक्षण में ऐसे लोग सामने आ रहे हैं, जिनका अब तक राशन कार्ड नहीं बन पाया है और कुछ लोग ऐसे भी है जो बीपीएल की पात्रता रखते हैं लेकिन उन्हें एपीएल कार्ड ही मिल पाया है। ऐसे में जनता की सुविधा को देखते हुए ये व्यवस्था मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश के बाद राशन कार्ड बनाने की सुविधा भी शुरू कर दी गई है।

सीएम बाघेल ने कहा- जुड़ा एक और नया अध्याय

" मुख्यमंत्री भूपेश बघ्ेल ने ट्वीट करते हुए कहा है कि 'जुड़ा एक और नया अध्याय' आप सबको बताते हुए खुशी हो रही है कि अब हमने राशन कार्ड को भी मितान योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है। घर बैठे कॉल करें 14545 पर और बुलाएं मितान। घर बैठे ही बन जाएगा आपका राशन कार्ड। 'राशन कार्ड बनवाने की दूर हुई दुविधा, मितान घर लेकर आएगा अब ये सुविधा'

मितान योजना के फायदे

नगरीय प्रशासन विकास विभाग ने नागरिकों को सरकारी दस्तावेज बनवाने के लिए घर पहुंच सेवा 'मुख्यमंत्री मितान योजना' की शुरुआत 1 मई 2022 से प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों में शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत जन्म प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र में सुधार, मृत्यु प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र में सुधार, मूल निवासी प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र, दुकान और स्थापना पंजीकरण संबंधी दस्तावेज, भूमि की रिकार्ड की नकल, भूमि सूचना (भूमि उपयोग), आधार कार्ड पंजीकरण, 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार कार्ड में पता एवं मोबाइल नंबर में सुधार, पैन नम्बर के लिए आवेदन, पैन अपडेट एवं डूप्लीकेट इत्यादि सेवाएं घर बैठे मितान सेवा से बनाए जा सकते हैं और अब इसमें राशन कार्ड की भी सुविधा जुड़ गई हैं।

21 लाख लीटर पानी बहाने वाला फूड इंस्पेक्टर सस्पेंड

कलेक्टर की बड़ी कार्रवाई अनुविभागीय अफसर को नोटिस

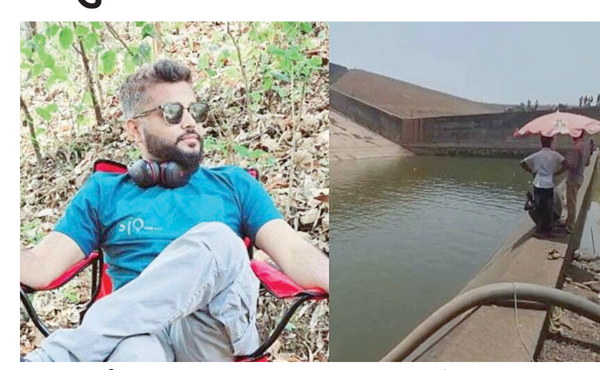

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में मोबाइल के लिए पखांजूर के परलकोट जलाशय का 21 लीटर पानी बहाने वाले अधिकारी को कलेक्टर ने सस्पेंड कर दिया है। यही नहीं कलेक्टर ने पखांजूर के अनुविभागीय अधिकारी को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कलेक्टर प्रियंका शुक्ला ने इस संबंध में शुक्रवार को आदेश जारी किया है।

बता दें पखांजूर के फूड इंसपेक्टर राजेश विश्वास का मोबाइल फोन 21 मई परलकोट जलाशय में गिर गया था। मोबाइन निकालने के लिए फूड इंसपेक्टर ने 21 मई से लगातार 4 दिनों तक परलकोट जलाशय के वेस्ट वियर से स्केल वाय के बीच लगभग 21 लाख लीटर पानी डीजल पंप के द्वारा बहा दिया गया। फूड इंसपेक्टर राजेश विश्वास अपना मोबाईल ढूंढने के लिए बिना अनुमति के जलाशय के वेस्ट वियर का 41104 क्यूबिक मीटर पानी खाली कराया गया है।

फूड इंस्पेक्टर राजेश विश्वास का यह कारनामा पद के दुरुपयोग मामला माना गया है। इस संबंध में कलेक्टर प्रियंका शुक्ला ने सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने आदेश जारी कर कहा है कि फूड इंस्पेक्टर राजेश विश्वास ने अपना मोबाइल ढूंढने के लिए अपने पद का दुरूपयोग किया है और सक्षम अधिकारी की अनुमति बिना परलकोट जलाशय से भीषण गर्मी में लाखों लीटर पानी व्यर्थ बहा दिया जो कि उनके अशोभनीय आचरण को दिखाता है। उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के उपनियम (1) के विपरीत होने के कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है । निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जिला कार्यालय खाद्य शाखा कांकेर रहेगा तथा निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

अनुविभागीय अधिकारी को नोटिस

इस मामले में कलेक्टर प्रियंका शुक्ला ने जलसंसाधन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी आरसी धीवर को नोटिस जारी किया है। उन्होंने अपने आदेश में कहा है कि फूड इंस्पेक्टर राजेश विश्वास ने जलाशय का पानी खाली कराने के लिए अनुविभागीय अधिकारी से मौखिक अनुमति लेने की बात कही है। कलेक्टर ने कहा है कि द्वारा उच्चाधिकारियों से अनुमति प्राप्त किए बिना परलकोट जलाशय से लाखों लीटर पानी व्यर्थ बहा देने की मौखिक अनुमति देना कदाचरण की श्रेणी में आता है जो छत्तीगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) 1965 के नियम (1) (2) (3) विपरीत है । उक्त कृत्य के लिए क्यों आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए इसके लिए अपना जवाब 24 घंटे के भीतर प्रस्तुत करें। समय पर जवाब नहीं मिलने पर अनुविभागीय अधिकारी पर भी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, पांच नक्सलियों को किया गिरफ्तार, ग्रामीण की हत्या में शामिल थे चार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर के आवापल्ली और तर्रेम थाना क्षेत्र में पुलिस की संयुक्त टीम ने 5 जन मिलिशिया सदस्यों को गिरफ्तार किया हैं। इनमें से चार तर्रेम में एक ग्रामीण की हत्या में शामिल थे। जबकि 1 अन्य को सरकार विरोधी पाम्पलेट व पर्चे के साथ पकड़ा गया हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को माओवादी विरोधी अभियान के तहत आवापल्ली थाना से जिलाबल व सीआरपीएफ 168 व 222 बटालियन की संयुक्त टीम बायगुड़ा, पुसकोंटा की तरफ निकली हुई थी। अभियान के दौरान पुसकोंटा व बायगुड़ा के बीच जंगलों में पुलिस पार्टी को देखकर छुप रहे एक संदिग्ध को पकड़ा गया। उससे पूछताछ करने पर अपना नाम गणपत मड़कम (जन मिलिशिया सदस्य) पिता मुत्ता मड़कम निवासी पुसकोंटा का होना बताया। उसके पास रखे थैले की तलाशी लेने पर 15 नग माओवादी पर्चा व 1 नग लाल रंग का बैनर मिला। जिसमें शासन विरोधी नारे लिखे हुए थे।

पकड़ा गया जन मिलिशिया सदस्य 13 फरवरी 2022 को बासागुड़ा थाना में पुलिस पार्टी पर हमला करने की घटना में शामिल था। उस घटना में सीआरपीएफके असिस्टेंट कमांडेंट शहीद हो गए थे। वही बुधवार को तर्रेम थाना व सीआरपीएफ153 व 168 की संयुक्त टीम ने तर्रेम के तुर्रीपारा में हुए ग्रामीण की हत्या में शामिल 4 जन मिलिशिया सदस्यों को पकड़ा गया। इनमें ओयाम साई पिता पावा उम्र 43 निवासी रेंगमपारा तर्रेम, बुधराम कोरसा पिता डोंगा उम्र 32 निवासी कुरसमपारा तर्रेम, डोडी रामा उर्फगांधी पिता सन्नू उम्र 28 निवासी सरपंच पारा तर्रेम व मिडियम भीमा पिता आयतु उम्र 24 निवासी सरपंच पारा तर्रेम शामिल हैं। पकड़े गए सभी जन मिलिशिया सदस्यों को आवापल्ली व तर्रेम में वैधानिक कार्यवाही के बाद एक को दंतेवाड़ा व चार को न्यायिक रिमांड पर न्ययालय में पेश किया गया।

ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली के रंग भर रहा गोबर से बना प्राकृतिक पेंट

रायपुर। कोरिया जिले के विकासखण्ड बैकुण्ठपुर का ग्राम गौठान मझगवां में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क योजना के तहत विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इनमें से एक है गोबर से प्राकृतिक पेंट निर्माण कार्य। प्रगति स्व सहायता समूह की महिलाएं यहां पेंट निर्माण कार्य से जुड़ीं हैं। यह प्राकृतिक पेंट महिलाओं के जीवन में खुशहाली के रंग भर रहा है। फरवरी माह से यहां गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने की इकाई संचालित है और महज 4 महीनों के अंदर ही इन्होंने 2350 लीटर पेंट का उत्पादन किया है जिसमें से लगभग 2200 लीटर पेंट का विक्रय कर लगभग 4 लाख 60 हजार रुपए की आमदनी भी की है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार सभी शासकीय कार्यालयों एवं स्कूलों में रंग रोगन के लिए यह उपयोग में लिया जा रहा है।

औकात से बाहर का फोन

श्रीकंचनपथ

कांकेर जिले के परलकोट जलाशय में एक फूड इंस्पेक्टर का फोन गिर गया। पहले गोताखोर उतारे गए पर फोन नहीं मिला। इसके बाद फोन को निकालने के लिए भरी गर्मी में लगभग 21 लाख लीटर पानी को पम्प की सहायता से बहा दिया गया। जब घुटनों पानी बचा तो फोन मिल गया। हालांकि तब तक फोन बंद हो चुका था। फूड इंस्पेक्टर के अनुसार फोन में विभागीय डाटा था इसलिए उसका मिलना जरूरी था। यह तो केवल एक बहाना मात्र है। फोन पर लोग डाटा की केवल कापी रखते हैं। अधिकांश लोग डाटा के लिए क्लाउड का इस्तेमाल करते हैं। वैसे भी अधिकांश सरकारी डाटा किसी न किसी ऐप के जरिए सर्वर में सुरक्षित रहता है। दरअसल, यह पूरा मामला अधिकारी होने का बेजा फायदा उठाने का है। कूटनीति के तहत उन्होंने पहले जलसंसाधन विभाग के एसडीओ से फोन पर बात की। इसके बाद 30-30 एचपी के दो पंप लगाकर बांध का पानी बहा दिया। यह एक अक्षम्य अपराध है पर इसकी भी एक वजह है। लोग अपनी औकात से ज्यादा से शौक पालने लगे हैं। 15 हजार का फोन और डेढ़ लाख का फोन काम एक ही जैसा करता है। आपकी जरूरत की फोटो 12 मेगापिक्सल कैमरा भी खींच सकती है। इससे ऊपर से साइज का फोटो खींचना बेकार का शौक है। मोबाइल का स्क्रीन रिजोल्यूशन फोटो को सुन्दर दिखा सकता है पर हकीकत में फोटो केवल उतनी ही अच्छी होती है जितनी की रोशनी होती है। बहरहाल, कीमती कैमरा फोन खरीदना आपका शौक हो सकता है, पर यह शौक औकात से इतना बड़ा भी नहीं होना चाहिए कि फोन गुम जाए तो पानी में गिर जाए तो दिल का दौरा पड़ने की नौबत आ जाए। फोन ही तो है। अब तो फोन नंबर भी ईमेल या क्लाउड पर सेव होते हैं। फोन गुमने से नंबर नहीं गुमते। कुछ ऐसा ही हाल गाड़ियों का भी है। लोग औकात से महंगी गाड़ी खरीद लेते हैं और स्क्रैच लगने पर भी रोने लगते हैं। सड़कों पर हाय तौबा मचा देते हैं और सिरफुटव्वल की स्थिति निर्मित हो जाती है। सामान से ऐसा प्यार, आपको इंसान से हैवान बना देता है। इसी हैवानियत की एक झलक परलकोट जलाशय में देखने को मिली। फोन की ऐसी पड़ी थी कि लाखों लिटर पानी बेकार बहा दिया। इतने पानी से डेढ़ हजार एकड़ के खेतों की सिंचाई हो सकती थी. यह पानी पालतु पशुओं और वन्यप्राणियों की प्यास भी बुझा सकती थी। मैं और मेरा के चक्कर में लापरवाही की भी हद होती है। अभी गर्मियां शेष हैं। बारिश होगी, नहीं होगी, होगी तो कितनी होगी, अभी किसी को पता नहीं है और यहां संचित जल को बहा दिया गया। इस अपराध की सख्त सजा मिलनी चाहिए।

संपादकीय

उद्घाटन और शिकायत

भारत वस्तुत: विविध मत-अभिमत से समृद्ध देश है। इस विशाल देश में कदम-कदम पर विरोध और विरोधाभासों का सामने आना सहज व स्वाभाविक है। भारत के नए संसद भवन परिसर का उद्घाटन एक खुशी का अवसर है, लेकिन इस खुशी के अवसर पर एक शिकायत राजनीतिक गलियारों से होती हुई सर्वोच्च न्यायालय में पहुंच गई है। एक अधिवक्ता ने राष्ट्रपति को उद्घाटन के अवसर पर आमंत्रित न किए जाने की शिकायत सर्वोच्च न्यायालय में कर दी है, इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट भले पहली सुनवाई में ही टाल दे या खारिज कर दे, लेकिन यह अपने आप में मानीखेज है कि ऐसी शिकायत भी कोई कर सकता है। क्या ऐसा कोई कानून है, जो किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में सांविधानिक पदों पर बैठी विभूतियों को आमंत्रित करने संबंधी कोई दिशा-निर्देश देता है? क्या केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति को उद्घाटन कार्यक्रम में न बुलाकर कोई त्रुटि की है? अगर यह प्रक्रियागत त्रुटि है, तो क्या कानून के तहत भी कमी मानी जा सकती है? इसका फैसला सर्वोच्च न्यायालय को जल्दी करना होगा। यदि इस शिकायत को अदालत में ज्यादा समय तक सुना गया, तो इसका कोई विशेष लाभ नहीं होगा और इससे सिर्फ सियासत को बल मिलेगा। 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित न करना विधायिका या कार्यपालिका द्वारा किया गया फैसला है और इसकी विवेचना अवश्य होनी चाहिए। यह राजनीति का विषय ही नहीं है, व्यावहारिकता से जुड़ा विषय है। ऐसे विषयों पर किसी भी व्यवस्था में बहस लगातार होती रहती है और समय के साथ उसमें सुधार भी होते रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका में यह शिकायत भी शामिल है कि राष्ट्रपति को ऐसे कार्यक्रम से बाहर रखना अपमान के बराबर है और गुहार लगाई गई है कि राष्ट्रपति को आमंत्रित करने के निर्देश केंद्र सरकार को दिए जाएं। न्यायपालिका अगर ऐसे फैसले करने लगेगी, तो जाहिर है, कार्यपालिका को बहुत समस्या होगी। क्या ऐसे में बेहतर यह नहीं है कि विधायिका ऐसे आयोजनों के बारे में एक प्रोटोकॉल बनाए कि कहां किसको बुलाना है और किसको नहीं बुलाना है? सार्वजनिक आयोजनों से जुड़े फैसलों को चार-पांच लोगों के विवेक पर छोड़ना क्या सही है? कम से कम राष्ट्रपति और राज्यपाल के मामले में आमंत्रण या कार्यक्रम संबंधी दिशा-निर्देश स्पष्ट होने चाहिए। अगर ये अभी तक नहीं बनाए गए हैं, तो बना लेने चाहिए, क्योंकि राजनीति की जो दशा-दिशा है, उसमें आने वाले समय में इस तरह के विवाद बढ़ते चले जाएंगे। ऐसे दिशा-निर्देश मजबूरी में अगर न्यायपालिका बनाने लगे, तो फिर विधायिका के स्वाभिमान को ही चोट लगेगी। गौर करने की बात है कि दायर याचिका में संविधान के अनुच्छेद 79 का हवाला दिया गया है, जो बताता है कि एक संसद होगी, जिसमें राष्ट्रपति और दो सदनों का समावेश होगा। क्या राष्ट्रपति को उद्घाटन कार्यक्रम में न बुलाना अनुच्छेद 79 का उल्लंघन है? इस विवाद की पृष्ठभूमि यह भी है कि 11 राज्य सरकारों को नियंत्रित करने वाली 19 पार्टियों के एक संयुक्त बयान में नई संसद के उद्घाटन संबंधी फैसले को लोकतंत्र पर हमला बता दिया गया। क्या इसके पहले कभी राष्ट्रपति के पद को नजरअंदाज नहीं किया गया है? यहां अफसोसनाक उदाहरण गिनाने की जरूरत नहीं है, पर समय आ गया है, जब ऐसे गंभीर सवालों को राजनीति से ऊपर उठकर हल किया जाए।

> "सार्वजनिक आयोजनों से जुड़े फैसलों को चार-पांच लोगों के विवेक पर छोड़ना क्या सही है? कम से कम राष्ट्रपति और राज्यपाल के मामले में आमंत्रण या कार्यक्रम संबंधी दिशा-निर्देश स्पष्ट होने चाहिए। अगर ये अभी तक नहीं बनाए गए हैं, तो बना लेने चाहिए, क्योंकि राजनीति की जो दशा-दिशा है, उसमें आने वाले समय में इस तरह के विवाद बढ़ते चले जाएंगे।

न जेलेंस्की-पुतिन थकेंगे, न युद्ध खत्म होगा!

यूक्रेन-रूस में चल रहे युद्ध का अंत दूर-दूर तक दिखलाई नहीं दे रहा है। रूस का दावा है कि उसने बखमुत शहर पर कब्ज़ा कर लिया है परन्तु वह उसी क्षेत्र में और सैनिक भेज रहा है। इसके उलट यूक्रेन कह रहा है कि इस पूर्वी शहर पर कब्जे के लिए एक साल से जारी भीषण युद्ध में दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसा लगता है कि न तो कोई जीत रहा है और ना ही कोई हार रहा है। इसलिए युद्ध चलता जा रहा है। परन्तु दोनों पक्ष कूटनीति की बिसात पर अपनी-अपनी चालें चल रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की समर्थन, आर्थिक मदद और असलहा हासिल करने के लिए दुनिया के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ लगा रहे हैं।

अभी दस दिन पहले तक वे यूरोप में घूम रहे थे। वे पहले इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से मिले, जिन्होंने उनसे वायदा किया कि जब तक जरूरी होगा तब तक इटली, रूस से जंग के लिए यूक्रेन को हथियार सप्लाई करता रहेगा। वहां से टाइफून लड़ाकू जेट विमानों की सुरक्षा में वे बर्लिन पहुंचे और जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज़ से मिले। शोल्ज़ ने यूक्रेन के लिए 219 अरब डॉलर के सहायता पैकेज की घोषणा की, जिसमें हवाई हमलों से बचने की प्रणाली और टैंक शामिल हैं। बर्लिन से शोल्ज़ के साथ वे जर्मनी के आखेन शहर गए जहां उन्हें यूरोप के लोगों में एकता स्थापित करने के लिए शारलेमेन पुरस्कार से नवाज़ा गया। यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने उनकी तारीफों के पुल बांध दिए। उन्होंने कहा, यूक्रेन तो यूरोप के सभी प्रिय आदर्शों का मूर्त स्वरूप है-उसमें अपने मत पर दृढ रहने का साहस है, वह अपने मूल्यों और अपनी आज़ादी के लिए लड़ना जानता है और वह शांति और एकता के प्रति प्रतिबद्ध है। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद जेलेंस्की फ्रांस पहुंचे जहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने युद्ध जारी रखने के लिए यूक्रेन की हर संभव सहायता देने का वायदा किया। वायदों से भरी अपनी झोली पीठ पर टांग जेलेंस्की जेड के आगे न जाने कितने प्लस वाली श्रेणी की अपनी सुरक्षा के साए में यूरोप से हिरोशिमा में चल रही जी7 शिखर बैठक में पहुंचे। उनकी यात्रा आकस्मिक और अनापेक्षित बताई गयी। हिरोशिमा में वे पश्चिम से बाहर की दुनिया के सामने अपनी बात रखना चाहते थे।

यूक्रेन के कूटनीतिक मिशन से भारत, चीन, ब्राज़ील और कम से कम 20 अफ्रीकी देश एकदम अप्रभावित हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा के अनुसार इसका कारण यह है कि ये देश रूस के नैरेटिव पर तो ध्यान दे रहे हैं परन्तु यूक्रेन का सच समझ नहीं पा रहे हैं। कुलेबा ने पिछले साल अक्टूबर में अफ्रीकी देशों सेनेगल, आइवरी कोस्ट, घाना और कीनिया की अपनी यात्रा में रूस के झूठ के मुकाबिल यूक्रेन का सच बताने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा था कि पहली बात तो यह है कि 2014 में रूस ने जब सबसे पहले यूक्रेन पर हमला किया था तब यूक्रेन की नीति तटस्थता की थी और वह नाटो की सदस्यता लेने के बारे में सोच तक नहीं रहा था। दूसरे, रूस का यह दावा एकदम झूठा है कि यूक्रेन और रूस एक देश हैं। कुलेबा ने अफ्रीकी पत्रकारों से बातचीत में कहा, ज़रा सोचिये कि अगर आपका पड़ोसी देश आपसे कहे कि तुम्हारी न तो कोई अलग भाषा है, न संस्कृति और ना ही इतिहास। तुम्हारा अलग देश बनना तो एक भूल है। और तीसरे यह कि रूस का यह कहना गलत है कि वह तो केवल शांति चाहता है। इस साल अप्रैल में यूक्रेन की उप विदेशमंत्री एमीन झापरोवा ने अपनी भारत यात्रा के दौरान भी यही बातें कहीं थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और यूक्रेन दोनों ने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध संघर्ष किया था।

> "मौजूदा संकट को समझने के लिए हमें लोगों की इस भावना पर भी गौर करना होगा। 1960 और 1970 के दशक में हुए मिजो विद्रोह में मणिपुर के कुकियों ने काफी सक्रिय हिस्सेदारी निभाई थी। मणिपुर नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) की प्रमुख मांगों में एक मांग थी मिजो आबादी वाले क्षेत्रों का एकीकरण। इसी मांग ने अंतिम समय में एमएनएफऔर केंद्र सरकार की वार्ता बेपटरी कर दी थी।

जातीय हिंसा की आग जल्दी बुझाई जाए

संजीब बरुआ, प्रोफेसर, बार्ड कॉलेज, न्यूयॉर्क

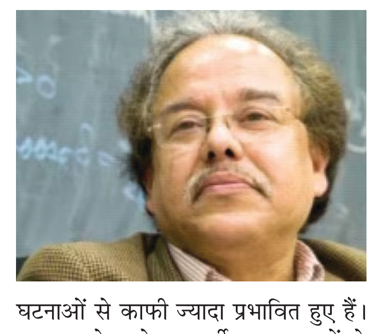

इस महीने की 11 तारीख को, जब मणिपुर जातीय संघर्ष और हिंसा से जूझ रहा था, तब पड़ोसी राज्य मिजोरम से राज्यसभा सदस्य ने एक मार्मिक ट्वीट किया। यह सांसद हैं, मिजो नेशनल फ्रंट के के वनलालवेना, जिन्होंने लिखा था, 'मणिपुर में मिजो जातीय समुदाय की तमाम जनजातियां सोच सकती हैं कि उनके पास अपना कोई सांसद नहीं है। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मैं उनका सांसद हूं।'

उनका यह ट्वीट कुकी और मिजो के मजबूत जातीय-सांस्कृतिक जुड़ाव की ओर इशारा कर रहा था। ये दोनों यहां के उस बड़े जनसमूह का हिस्सा हैं, जिनको अमूमन कुकी-मिजो-चिन कहकर संबोधित किया जाता है। हालांकि, इनके सामूहिक नाम 'जू' को कुछ हद तक सामाजिक स्वीकृति मिल चुकी है। वे पूर्वोत्तर भारत की पहाड़ियों, म्यांमार की चिन पहाड़ियों और बांग्लादेश के चटगांव पहाड़ी इलाके में रहते हैं। देश की भौगोलिक सीमा को पार कर चुके इस एकीकरण की कल्पना- और इसे बढ़ावा देने वाला बंधन- सैमुअल हंटिंगटन की प्रसिद्ध किताब द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन में बताई गई सभ्यता का एकीकरण से, जो युद्ध के समय में सजातीय देश के पीछे एकजुट होने को प्रेरित कर सकता है, विपरीत नहीं है। इस सांस्कृतिक निकटता को जानने के बाद ही हम उस आग को समझ सकते हैं, जिससे इन दिनों मणिपुर झुलस रहा है। इस सप्ताह की शुरुआत में भी हमने इंफाल में हिंसा का नया दौर देखा। बुधवार शाम तो एक राज्य मंत्री के घर पर भी हमला हुआ।

भारतीय संसद में पूर्वोत्तर के राज्यों से करीब 40 प्रतिनिधि हैं। अभी किसी भी सदन में मणिपुर से कुकी सांसद नहीं है। वनलालवेना के शब्दों का यह अर्थ लगाया जा सकता है कि मणिपुर के कुकी लोगों के पास बेशक कोई निर्वाचित सांसद नहीं है, पर राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका एक प्रतिनिधि जरूर मौजूद है। इस भाव से कुकी, जिनके स्वजातीय लोग मणिपुर में हैं, उत्साहित लग रहे थे। इस ट्वीट को जबर्दस्त प्रतिक्रिया भी मिली, हालांकि कुछ लोगों ने तथाकथित ग्रेटर मिजोरम की मांग भी कर डाली।

मौजूदा संकट को समझने के लिए हमें लोगों की इस भावना पर भी गौर करना होगा। 1960 और 1970 के दशक में हुए मिजो विद्रोह में मणिपुर के कुकियों ने काफी सक्रिय हिस्सेदारी निभाई थी। मणिपुर नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) की प्रमुख मांगों में एक मांग थी मिजो आबादी वाले क्षेत्रों का एकीकरण। इसी मांग ने अंतिम समय में एमएनएफ और केंद्र सरकार की वार्ता बेपटरी कर दी थी। अंतत: जिस समझौते पर हस्ताक्षर हुए, उसे आधिकारिक तौर पर मिजोरम समझौता कहा गया, न कि मिजो समझौता। इससे कुकी निराश हुए।

हाल के वर्षों में मिजोरम और मणिपुर पड़ोसी देश म्यांमार और बांग्लादेश की घटनाओं से काफी ज्यादा प्रभावित हुए हैं। भारत आने वाले शरणार्थी उन समुदायों से हैं, जो कुकी व मिजो से जुड़े हैं। हालांकि, शरणार्थियों को लेकर दोनों सूबों की सोच अलग-अलग रही। मिजोरम ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। 2021 में मुख्यमंत्री जोरामथांगा ने खुलेआम कुद्र सरकार के उस बयान पर आपत्ति जताई थी, जिसमें सीमा पार करने के दौरान पकड़े गए लोगों को 'अवैध अप्रवासी' कहा गया था। विरोध गृह मंत्रालय के उस निर्देश का भी था, जिसमें म्यांमार के इन नागरिकों को शीघ्र उनके वतन भेजने की बात थी। उन्होंने कहा था, बेशक 'विदेश नीति के कुछ मसले ऐसे हो सकते हैं, जिनमें भारत को सावधानी से आगे बढ़ने की जरूरत है, लेकिन हम इस मानवीय संकट से आंखें नहीं मूंद सकते, जो ठीक हमारे पड़ोस में पैदा हुआ है।' यंग मिजो एसोसिएशन (वाईएमए) जैसे नागरिक समाज संगठन और चर्च समूह चिन शरणार्थियों को भोजन और आवास उपलब्ध कराने में जुट गए। उनके लिए धन जुटाने की खातिर स्थानीय स्तर पर 'राइटियन रिलीफ' (मिजो शब्द 'राइटियन' का अर्थ भाई होता है) नामक अभियान भी शुरू किया गया।

पिछले साल के अंत में मिजोरम ने कुछ सौ बांग्लादेशियों के लिए भी यही रणनीति अपनाई, जो चटगांव के पहाड़ी इलाकों से यहां दाखिल हुए थे। वे बांग्लादेशी सुरक्षा बलों व कुकी-चिन नेशनल आर्मी (केएनए) के बीच जारी जंग से भाग रहे थे। केएनए को बावम, पुंगखुआ, लुशाई, खुमी, म्रो और ख्यांग जैसे समूहों का प्रतिनिधि माना जाता है। ये सभी जातियां कुकी और मिजो से जुड़ी हुई हैं। मिजोरम कैबिनेट की एक बैठक में इनके लिए अस्थायी आश्रय, भोजन व अन्य राहत उपलब्ध कराने का फैसला भी किया गया।

यह मिजो सशस्त्र संघर्ष के इतिहास के एक पहलू की याद दिलाता है, जिसको शायद ही स्वीकार किया गया। दरअसल, मिजो गुरिल्ला लड़ाकों ने न सिर्फ तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के चटगांव पहाड़ी इलाकों में शरण ली थी, बल्कि सीमा पार स्वजातीय रिश्तेदारों के बीच भी उन्होंने पनाह ले रखी थी। वास्तव में, एमएनएफ का मुख्यालय एक लुशाई (या मिजो) गांव महमूम में था, जो मौजूदा बांग्लादेश का इलाका है। हालांकि, मणिपुर में कुछ चिन शरणार्थियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का कहना था कि उन्हें इसलिए गिरफ्तार किया गया, क्योंकि वे अपनी नागरिकता का कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। मुख्यमंत्री के अनुसार, 'अवैध प्रवासियों को आश्रय देना' राज्य के लिए 'सबसे बड़ा खतरा' है।

हालात को जिस चीज ने और जटिल बनाया, वह था कुकियों को अतीत में विदेशी कहकर चिढ़ाना। यहां तक कि अफीम की खेती और नशे के खिलाफ राज्य सरकार के अभियानों में भी 'विदेशी' और 'बाहरी' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया। कुकी को ऐसे अभियानों का खामियाजा भुगतना पड़ा, क्योंकि मणिपुर में अफीम अमूमन कुकियों द्वारा बसाए गए गांवों में ही उगाई जाती है। मुख्यमंत्री द्वारा अफीम की अवैध खेती विदेशियों द्वारा किए जाने वाले बयान ने भी तनाव बढ़ा दिया।

जाहिर है, यह तथ्य कि शरणार्थी कुकी व मिजो के सीमा पार स्वजातीय हैं और मिजोरम में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया था, लेकिन मणिपुर में उनके साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार किया गया, अध्ययन का एक उल्लेखनीय विषय है। 'जू' समुदाय की नजर से देखें, तो दोनों राज्यों में उनकी ताकत में भारी अंतर है। मिजोरम में वे सत्ता के शीर्ष पर हैं, जबकि मणिपुर में मैतेई बहुल राजनीतिक व्यवस्था में उनका असर कमजोर है। इसी कारण वनलालवेना के ट्वीट और उस पर आई प्रतिक्रिया के गहरे निहितार्थ निकलते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आज बदलाव का गवाह है अपने देश का हर कोना

महेंद्र नाथ पांडे, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री

भारत आज मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ एक अग्रणी शक्ति के रूप में विश्व पटल पर अपनी पहचान बना चुका है। भारत की विविधता भरी संस्कृति और तकनीक के क्षेत्र में प्रगति ने इसे नवाचार व उद्यमिता का केंद्र बना दिया है। देश पिछले नौ वर्षों में आर्थिक सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर ध्यान देने के साथ महत्वपूर्ण प्रगति हासिल करने में सक्षम रहा है, जिससे लाखों लोगों का जीवन-स्तर ऊपर उठा है। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने, संरचनात्मक सुधारों को लागू करने, स्त्री सशक्तीकरण, उद्यमशीलता को बढ़ावा देने, गरीबों व हाशिये के लोगों की सेवा करने, किसान कल्याण सुनिश्चित करने, समावेशी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने, मध्यम वर्ग को सुविधा प्रदान करने, बुनियादी ढांचे में सुधार करने और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है। भारत ने अक्षय ऊर्जा, जीवन-यापन में आसानी, डिजिटलीकरण, अंतरिक्ष अन्वेषण, विद्युतीकरण, स्वच्छता, सामाजिक न्याय, वित्तीय समावेशन आदि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति दिखाई है, जिसे कभी अकल्पनीय माना जाता था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुखर विदेश नीति और भारत के रणनीतिक हितों पर जोर के कारण भारत आज एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है। 2014 में कार्यभार संभालने के बाद से ही प्रधानमंत्री मोदी ने देश को मजबूत आर्थिक शक्ति बनाने के लिए पहल शुरू कर दी थी। देश में रोजाना 38 किलोमीटर की गति से हाईवे बन रहे हैं, जिससे भारत का बुनियादी ढांचा तेजी से विकसित हो रहा है। महिलाएं सभी बाधाओं को तोड़ रही हैं और हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही हैं।

नवाचार, उद्यमशीलता व सतत विकास पर ध्यान देने के साथ ही सरकार घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने, डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और छोटे व मध्यम उद्यमों के विकास को प्रोत्साहित करने के कदम उठा रही है। यह आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। 2014 से 2020 के बीच 33 परियोजनाओं के लिए 583.312 करोड़ रुपये का बजटीय समर्थन किया गया। इसमें उत्कृष्टता के आठ केंद्रों की स्थापना, 15 सामान्य इंजीनियरिंग सुविधाएं, छह वर्चुअल टेक्नोलॉजी इनोवेशन प्लेटफॉर्म (टीआईपी), चार उद्योग 4.0 सक्षमता केंद्र, विदेशों से पांच महत्वपूर्ण तकनीकों का अधिग्रहण और कर्नाटक में एक एकीकृत मशीन टूल्स पार्क की स्थापना शामिल है। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों से न केवल रोजगार के अवसर पैदा होंगे, बल्कि आयात पर हमारी निर्भरता भी कम होगी। इन सबसे हमारा देश एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। डिजिटल इंडिया अभियान, मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया जैसी सरकार की कोशिशें तकनीक-संचालित और टिकाऊ अर्थव्यवस्था का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं।

भारी उद्योग मंत्रालय के पर्यवेक्षण के तहत बीएचईएल, यानी भेल ने एनटीपीसी और आईजीसीएआर के सहयोग से 800 मेगावाट बिजली संयंत्रों के लिए उन्नत अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल (एयूएससी) तकनीक विकसित की है, जो कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों के लिए सबसे कुशल तकनीकों में से एक है। आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए स्थायी ऊर्जा समाधानों को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक देश में बिकने वाले 30 प्रतिशत वाहन इलेक्ट्रिक हों। सतत विकास के साथ हम भारत के उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं, जहां विकास पर्यावरण की कीमत पर नहीं होगा। कोविड-19 महामारी व पड़ोसी देशों के साथ तनाव जैसी चुनौतियों के बावजूद भारत मजबूत बनकर उभरा है।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत का हर कोना परिवर्तनों का गवाह बन रहा है। भारत के लोगों ने दिखाया है कि सही नेतृत्व और नीतियों से कुछ भी संभव है। यह सब एक आधुनिक और समृद्ध भारत के लिए प्रधानमंत्री मोदी के विजन और सभी नागरिकों के लिए सकारात्मक बदलाव लाने के उनके समर्पण का एक ज्वलंत उदाहरण है। हालांकि, अभी भी कुछ चुनौतियां हमारे सामने हैं, लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश प्रगति और समृद्धि के पथ पर चलता रहेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

लिंग-विभेद रोधी तथा भ्रष्टाचार-रोधी प्रयास: जी-20 के लिए एजेंडे का निर्धारण

जी-20 भ्रष्टाचार-रोधी कार्यसमूह की बैठक, जो इस महीने के अंत में ऋषिकेश में आयोजित की जायेगी, के महत्वपूर्ण विषयों में एक है - भ्रष्टाचार का लैंगिक आयाम। पुरुषों की तुलना में महिलाओं के लिए भ्रष्टाचार का अनुभव अलग होता है, क्योंकि वे आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक कमजोर होती हैं। भेदभाव के ऐतिहासिक पैटर्न पर आधारित लैंगिक शक्ति विभेद, भेदभावपूर्ण व्यवहार को बढ़ावा दे सकते हैं, जो महिलाओं को बलपूर्वक भ्रष्टाचार और शोषण के अन्य रूपों की पीड़ा देते हैं। इसके अलावा, सामाजिक मानदंडों के परिणामस्वरूप, रूढ़िबद्ध लैंगिक सामाजिक भूमिकायें और विशिष्ट आवश्यकतायें महिलाओं के लिए गतिविधि के क्षेत्रोंका निर्धारण करतीं हैं, जहां उन्हें भ्रष्टाचार के उच्च जोखिम का अक्सर सामना करना पड़ता है। जहां महिलाएं परिवार की प्राथमिक देखभाल करने वाली की भूमिका निभातीं हैं, वहां उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी और स्वच्छता जैसी सार्वजनिक सेवाओं की सुविधा के लिए नियमित रूप से भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ता है। इस बात पर आम सहमति है कि भ्रष्टाचार का महिलाओं की शिक्षा के परिणामों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है और यह उनके मनोवैज्ञानिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ लैंगिक समानता को प्रभावित करता है, जिससे अंतत: दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक प्रगति भी प्रभावित होती है।

भ्रष्टाचार-विभेद के प्रभाव को देखते हुए श्रम बाजार और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं के समावेश पर भी विचार करने की आवश्यकता है, क्योंकि विविधता के विस्तार और समावेश में वृद्धि से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। आईएलओ के नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि 25 से 54 वर्ष की आयु-वर्ग के लोगों के बीच श्रम बल भागीदारी में लैंगिक अंतर 29.2 प्रतिशत है, जिसमें महिला भागीदारी 61.4 प्रतिशत और पुरुष भागीदारी 90.6 प्रतिशत है। भ्रष्टाचार से संबंधित कानूनों समेत उपयुक्त विधायी और संस्थागत व्यवस्थाओं को लागू करने से औपचारिक अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ सकती है। कई अध्ययनों ने निर्विवाद रूप से स्थापित किया है कि कैसे सूचना विषमता के परिणामस्वरूप महिलाओं की ऋण सुविधा तक पहुंच सीमित हो जाती है, जिससे उनके व्यापार निवेश और रोजगार सृजन के अवसरों में कमी आती है। वित्तीय सेवाओं का डिजिटलीकरण एक समाधान हो सकता है, लेकिन पूरी दुनिया में एक बहुत स्पष्ट डिजिटल लैंगिक अंतर मौजूद है। अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के नवीनतम अनुमानों के अनुसार, केवल 57 प्रतिशत महिलाओं की इंटरनेट तक पहुंच है, जबकि पुरुषों के लिए यह संख्या 62 प्रतिशत है। इस कारण, ई-वाणिज्य और डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं के माध्यम से उपलब्ध असंख्य अवसरों के उपयोग करने के क्षेत्र में महिलायें गंभीर नुकसान की स्थिति में होतीं हैं।

विश्व के विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाया जाता रहा है। जैसा कि यूएनओडीसी की दिसंबर 2020 में प्रकाशित 'द टाइम इज नाउ' शीर्षक रिपोर्ट में प्रकाश डाला गया है, लैंगिक समानता के पक्ष में किये गए कार्य, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं, लेकिन इसका विपरीत भी सत्य है। वैश्विक स्तर पर, यह सहजीवी संबंध लिंग-जागरूकता और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण के लिए बड़ी संभावनाओं के द्वार खोलता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 2021 के विशेष सत्र की राजनीतिक घोषणा के माध्यम से, सदस्य देश लैंगिक आधार और भ्रष्टाचार के बीच संबंधों की अपनी समझ में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें भ्रष्टाचार महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग तरीके से प्रभावित कर सकता है और प्रासंगिक कानून, नीति विकास, अनुसंधान, परियोजनाओं और कार्यक्रमों को मुख्यधारा में सम्मिलित करके लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जैसे विचारों को भी शामिल किया गया है। जी20 भ्रष्टाचार-रोधी कार्यसमूह (एसीडब्ल्यूजी) भ्रष्टाचार से संबंधित उभरते मुद्दों का समाधान करने में सबसे आगे रहा है। 2019 जी20 राजनेताओं की घोषणा के माध्यम से, जी20 देशों ने भ्रष्टाचार और लैंगिक आधार के बीच संबंधों पर अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा किए जा रहे कार्यों का स्वागत किया। जी20 एसीडब्ल्यूजी कार्ययोजना 2019-21 और 2022-24 में सदस्य देशों द्वारा निम्न के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी है - सदस्य देश लैंगिक आधार और भ्रष्टाचार के बीच संबंधों की अपनी समझ को गहरा करना जारी रखेंगे और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यक्रमों व नीतियों में लैंगिक आयाम को कैसे शामिल किया जा सकता है, इस पर ध्यान देते हुए संभावित कार्रवाइयों पर चर्चा करेंगे।

शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में भारत सरकार द्वारा कई पहलें की गई हैं, जिनका महिला सशक्तिकरण पर और भ्रष्टाचार के प्रति उनकी कमजोरी में कमी लाने पर गुणात्मक प्रभाव पड़ा है। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी), प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) जैसी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजनाओं ने महिलाओं की आय और उनकी वित्तीय निर्णय लेने की क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। जैम ट्रिनिटी, धन के सीधे अंतरण को सक्षम करने के लिए जन धन बैंक खातों, आधार के तहत प्रत्यक्ष बायोमेट्रिक पहचान और मोबाइल फोन को एकीकृत करता है। प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) ने बैंक खाता स्वामित्व में लैंगिक अंतर को प्रभावी ढंग से कम किया है - 55.6त्न जन धन खाते महिलाओं के पास हैं। आधार आधारित प्रमाणीकरण और मोबाइल फिन-टेक सेवाओं के साथ, जेएएम ट्रिनिटी की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के माध्यम से महिला उद्यमियों को अत्यधिक समर्थन मिला है। 2030 तक, अनुमानित 30 मिलियन महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसएमई के भारत में फलने-फूलने की उम्मीद है, जिनसे 150 मिलियन लोगों को रोजगार मिलेगा। सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) की 'वुमनिया' पहल; महिला उद्यमियों को स्थानीय सरकारी खरीदारों के साथ दूर-दराज स्थित महिला उत्पादकों और सेवा प्रदाताओं को जोड़कर बाजार, वित्त और मूल्य-संवर्धन तक पहुंच प्रदान करती है। 15 जनवरी, 2023 तक, 1.44 लाख से अधिक महिला सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई) जेम पोर्टल पर विक्रेता और सेवा प्रदाता के रूप में पंजीकृत हैं और 21,265 करोड़ रुपये के सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) के लिए 14.76 लाख से अधिक ऑर्डर पूरे किए हैं।

ऋषिकेश में जी20 भ्रष्टाचार-रोधी कार्यसमूह की बैठक में जी20 सदस्य देशों के लैंगिक संवेदनशील शासन और लैंगिक आयाम के साथ भ्रष्टाचार-रोधी सर्वोत्तम तौर तरीकों से जुड़े वैश्विक और भारतीय अनुभवों को प्रस्तुत किया जाएगा, जिनके आधार पर सदस्य देश भविष्य की पहलों के लिए विषय-वस्तु निर्धारित करेंगे। जिन कुछ प्रश्नों पर आगे विचार-विमर्श किया जाएगा, उनमें शामिल हैं: (क) सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में नीति निर्माता; भ्रष्टाचार के लैंगिक अंतर प्रभाव को समझने की आवश्यकता तथा महिलाओं और पुरुषों की विशिष्ट चिंताओं और अनुभवों का समाधान करने वाली नीतियों को डिजाइन करने की आवश्यकता को किस प्रकार स्वीकार कर सकते हैं? (ख) सरकार, शासन में महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रयासों के साथ भ्रष्टाचार-रोधी नीतियों को कैसे जोड़ सकती है? (ग) भ्रष्टाचार-रोधी उपायों में लैंगिक विश्लेषण तथा भ्रष्टाचार पर लिंग संबंधी अलग-अलग डेटा की क्या भूमिका है? भारत और विदेश के पैनल विशेषज्ञ इन मुद्दों पर व्यापक रूप से चर्चा करेंगे और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में लैंगिक संवेदनशील शासन और नीति-निर्माण के क्षेत्र में आगे का रास्ता दिखाएंगे।

एस. राधा चौहान, लेखिका कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार की सचिव हैं

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

रीपा में लोगों को मिल रहा गांव में ही रोजगार और स्वरोजगार

रायपुर। महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क रोजगार और स्वरोजगार के केन्द्र के रूप में उभर रहें है। बालोद जिला प्रशासन द्वारा जिले के 11 गौठानों में रीपा की स्थापना की गई है। इन स्थानों पर गोबर से पेंट, कुलर और आलमारी, लेमन ग्रास प्रोसेसिंग, वर्मी कम्पोस्ट वासिंग पाउडर निर्माण आदि का निर्माण किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को उनके गांव में ही रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिल रहें हैं।

बालोद जिले में संचालित 11 महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क में 140 महिला एवं 75 पुरूष सहित कुल 215 आर्थिक गतिविधियों से जुड़े हैं। जिनके द्वारा एक माह के अल्प अवधि में ही 78 लाख 06 हजार रुपये की सामग्रियां निर्मित कर 56 लाख 80 हजार रुपये की राशि की सामग्री की बिक्री गई है। जिससे उन्हें 10 लाख 62 हजार रुपये का लाभ प्राप्त हुआ है। बालोद विकासखण्ड के ग्राम बरही में संचालित गोबर पेंट ईकाई से अब तक कुल 07 हजार 940 लीटर गोबर पेंट का उत्पादन किया गया है। इस गोबर पेंट का उत्पादित मूल्य 17 लाख 86 हजार रुपये है। इसमें से अब तक 03 हजार 469 लीटर गोबर पेंट की बिक्री की जा चुकी है, जिसका विक्रय मूल्य 07 लाख 80 हजार रुपये है। इस गोबर पेंट इकाई से अब तक कुल 02 लाख 42 हजार रुपये का लाभ प्राप्त हुआ है। इसी तरह बालोद विकासखण्ड के करकाभाट ग्रामीण औद्योगिक पार्क में कूलर एवं अलमारी निर्माण यूनिट की स्थापना की गई है। जिसमें अब तक 72 नग अलमारी और कूलर 70 नग का निर्माण किया गया है। जिसका उत्पादित मूल्य 05 लाख 02 हजार रुपये है। जिसमें 62 अलमारी एवं 55 कूलर की बिक्री भी की जा चुकी है। जिसका विक्रय मूल्य 04 लाख 39 हजार रुपये है। इस तरह कूलर एवं अलमारी की बिक्री से 65 हजार रुपये का लाभ प्राप्त हुआ है।

गोधन न्याय योजना: घर के पास मिला रोजगार, सपने हो रहे साकार

रायपुर। गौठान में स्व-सहायता समूह की महिलाएं सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त होने की दिशा में अग्रसर है। गोधन न्याय योजना से उन्हें जहां वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने में रोजगार मिला है। वहीं गोबर के विक्रय से अतिरिक्त आमदनी भी हो रही है। इस योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग महिलाएं अब अपने बच्चों की स्कूली पढ़ाई-लिखाई के साथ कई छोटी-मोटी जरूरतों को पूरी कर रही है। समूह की महिलाएं घर के पास रोजगार मिलने से काफी खुश है। सही मायने में कहा जाए तो योजना ने उनके जीवन में खुशियों के रंग भर दिए हैं।

जिला मुख्यालय रायगढ़ से 20 किलो मीटर दूर ग्राम चपले में आदर्श गोठान बनाया गया है। जहां 16 महिला स्व-सहायता समूह आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी है। महिलाएं यहां रेशम धागा, सेनेटरी पैड, पशुपालन के अलावा कोसा रिलिंग कार्य, गेंदा फूल उत्पादन, अगरबत्ती, फिनाईल, साबून, सर्फ पावडर, दोना-पत्तल निर्माण, फाईल फोल्डर का निर्माण कर रही है। यहां वर्ष 2020 से मई 2023 तक कुल 4683.71 क्विंटल गोबर खरीदी हुई है। जहां जय मां दुर्गा स्व-सहायता समूह द्वारा अब तक 1406 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन किया गया एवं लगभग 4 लाख 20 हजार रुपये आय अर्जित की गई है।

सत्रह राज्यों के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ के नरवा विकास का स्थल में जाकर किया अवलोकन

सत्रह राज्यों के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़

दल द्वारा लघु वनोपजों के प्रसंस्करण केन्द्र दुगली का भी भ्रमण

मृदा एवं जल संरक्षण पर राष्ट्रीय कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दल द्वारा लघु वनोपजों के प्रसंस्करण केन्द्र दुगली का भी भ्रमणमृदा एवं जल संरक्षण पर राष्ट्रीय कार्यशाला लघु वनोपजों के प्रसंस्करण केन्द्र दुगली का भी भ्रमण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वाधान में राजधानी रायपुर में 23 मई से मृदा एवं जल संरक्षण पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के अंतर्गत आज छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के उच्चाधिकारियों के दल ने स्थल भ्रमण कर जायजा लिया। इस दौरान दल द्वारा राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी नरवा विकास योजना के तहत धमतरी वन मंडल के दक्षिण सिंगपुर परिक्षेत्र अंतर्गत पम्पार नाला के पुर्नोद्धार कार्य सहित भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का विस्तार से अवलोकन किया गया। दल ने लघु वनोपजों के प्रसंस्करण केन्द्र दुगली का भी भ्रमण कर वहां कार्यरत समूह की महिलाओं से चर्चा की।

दल में 17 विभिन्न राज्यों एवं 02 संघ शासित प्रदेश के विभागीय उच्चाधिकारी शामिल थे। उल्लेखनीय है कि वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वाधान में 23 से 25 मई तक रायपुर में वन क्षेत्र के अंदर बहने वाले नदी-नालों के जीर्णोद्धार हेतु मृदा एवं जल संरक्षण के उपाय तथा लघु वनोपजों के सतत प्रबंधन हेतु तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भ्रमण के दौरान प्रधान मुख्य वन संरक्षक छत्तीसगढ़ व्ही. श्रीनिवास राव ने दल को बताया कि छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा जी.आई.एस. टूल्स और अन्य तकनीकों का प्रयोग करते हुये वन क्षेत्रों में नरवा योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु नरवा का डी.पी.आर. तैयार कर विभिन्न संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिसका बेहतर परिणाम देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में नरवा विकास योजनांतर्गत वन क्षेत्रों में कराए जा रहे भू-जल संरक्षण के कार्य से अनेक लाभ प्राप्त हो रहे हैं। इससे वनों में मिट्टी के कटाव में कमी हो रही है। साथ ही वन क्षेत्रों में भू-जल स्तर में वृद्धि होने से वनों के पुनरोत्पादन क्षमता में भी बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है।

दल को बताया गया कि पम्पार नाला में भू-जल संवर्धन संबंधी निर्मित संरचनाओं में ब्रश वुड चेक डेम-44, लूज बोल्डर चेक डेम-68, ईजीपी-3, गेबियन संरचना-3, टी.एफएम.-188, सी.एस.बी.-24, डायवर्सन ड्रेन-1, एम.पी.टी.-2, पॉंड-2, परकोलेशन टैंक-1, एस.सी.टी., सी.सी.टी.-409, डाइक पडल्ड-2, वाट-35, ईसीबी- 26, एस.डी.-1 सहित कुल 809 संरचनाएं शामिल हैं। इस दौरान केन्द्रीय वन विभाग द्वारा देश के अन्य सभी राज्यों को छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा अपनाई गई प्रणाली का प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग छत्तीसगढ़ शासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भ्रमण के दौरान नरवा विकास योजना अंतर्गत नालों में किये जा रहे उपचार एवं निर्मित संरचनाओं के बारे में चर्चा करते हुए विस्तृत जानकारी भ्रमण दल को दिया गया।

दल में 17 विभिन्न राज्यों एवं 02 संघ शासित प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी (कैम्पा) शामिल थे, इनमें कैलाश चन्द्र मीणा राजस्थान, बसता राजकुमार पंजाब, पी. पी. सिंघ उत्तर प्रदेश, मनीबी मित्तल उत्तर प्रदेश, डॉ. सौरव घोष फारेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया, रमन कांत मिश्रा पंजाब, जगदीश चंद्र हरियाणा श्री विवेक सक्सेना आईआरओ लखनऊ. शैलेष टेंभुलकर महाराष्ट्र, पंकज गर्ग महाराष्ट्र अरविंद सिंघ बिहार, डॉ के. रविचन्द्रन आईआईएफएम भोपाल, बी आनन्द बाबु एमएफपी फेडरेशन, लोकेश जयसवाल तेलंगाना महेन्द्र सिंघ धाकर मध्यप्रदेश, सुधांशु गुप्ता तमिलनाडु डॉ योगेश के दुबे भोपाल, महेश चंद गुप्ता राजस्थान संतोष विजय शर्मा उत्तराखण्ड, श्रीमती समीता राजोरा मध्यप्रदेश, एस.एस. रासैली उत्तराखण्ड थे।

इसी तरह दल में अशोक सिन्हा आईआरओ भोपाल, पी.सी. राय कर्नाटक, अर्त त्राना मिश्रा आईआरओ भुवनेश्वर, अनुराग प्रियदर्शी उत्तर प्रदेश, प्रवीण कुमार राघव गोवा, अमित गमावत गोवा, विनोद कुमार काटुबोईना आंध्रप्रदेश, रामकृष्णा आंध्रप्रदेश, एस माधव राव तेलंगाना, अश्वनी कुमार कार ओडिशा, प्रवीण यादव आ. एफओ. चंडीगढ़, हर्ष ठक्कर गुजरात, प्रदीप मिश्रा ओडिशा, चंद्रशेखरन बाला एन महाराष्ट्र, आरूल राजन चंडीगढ़, महालिम यादव उत्तराखण्ड, अक्षय राठोण मध्यप्रदेश, महेन्द्र सिंघ उइके मध्यप्रदेश, विनीत कुमार आंध्रप्रदेश, अरविंद यादव उत्तर प्रदेश, संतोष तिवारी आईआरओ रांची शामिल थे।

सीईसीबी की अभिनव पहल: पर्यावरण संरक्षण के लिए 01 जून को छत्तीसगढ़ में पांच लाख लोग लेंगे शपथ

मिशन लाईफ के अंतर्गत जनभागीदारी के साथ आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 01 जून को एक दिन में पांच लाख लोग पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ लेंगे। प्रदेश में मिशन लाईफ कार्यक्रम के अंतर्गत लाईफ स्टाईल फॉर इन्वायरमेंट कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में 01 जून को पर्यावरण संरक्षण के लिये शपथ का कार्यक्रम रखा गया है। लाईफ प्लेज के अंतर्गत पूरे राज्य में एक साथ पांच लाख लोगों द्वारा प्लेज लिये जाने का निर्णय लिया गया है, जिससे कि व्यापक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता लायी जा सके।

एक ही दिन में पांच लाख लोग शपथ लेकर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता दर्शायेंगे। शपथ हिन्दी या अंग्रेजी में समूह या व्यक्तिगत रूप से लेकर उसका वीडियो व फोटो वॉट्सएप नम्बर 7415781776, 9109028361, 7415796619 पर 01 जून को प्रात: 8 बजे से शाम 4 बजे तक भेजी जा सकेगी। पूरे प्रदेश में यदि पॉच लाख लोग एक साथ शपथ लेंगे या रायपुर जिले से शपथ की संख्या डेढ़ लाख से पार होगी, तो यह एक विश्व रिकार्ड होगा। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल सभी लोगों से यह आग्रह करता है कि वे 01 जून 2023 को पर्यावरण संरक्षण के लिये शपथ लेकर इस महाअभियान में भागीदार बनें। शपथ इस प्रकार है-मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि पर्यावरण को बचाने के लिये अपने दैनिक जीवन में हर संभव बदलाव लाऊगा। मैं यह भी वचन देता हूं कि अपने परिवार, मित्रों व अन्य लोगों को पर्यावरण के अनुकूल आदतों और व्यवहारों के महत्व के विषय में सतत् रूप से प्रेरित करूंगा।

स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव और अधिकारियों ने ऑस्ट्रेलिया में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव और उनके साथ अध्ययन भ्रमण पर आस्ट्रेलिया गई स्वास्थ्य विभाग की टीम आज सिडनी से लगे शहर परममेटा पहुंची। ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी भाग में स्थित उपनगर हैरिस पार्क 'लिटिल इंडिया' के भारतीय मूल के मेयर समीर पाण्डेय ने वहां टीम का स्वागत किया।

स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव और अधिकारियों ने उनके साथ आस्ट्रेलिया में प्राइमरी हेल्थ केयर की स्थिति पर चर्चा की। टीम ने परममेटा से लगे प्राइमरी हेल्थ केयर के भ्रमण के दौरान डॉ. ईश्वर से चर्चा कर ऑस्ट्रेलिया में मुहैया कराई जाने वाली प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। राज्य की टीम ने उन्हें छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी के बारे में बताया।

ऑस्ट्रेलिया में डेंटिस्ट व नर्सिंग के विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों पर हुई चर्चा स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने परममेटा के मेयर के साथ चर्चा के दौरान वहां दंत चिकित्सकों एवं नर्सिंग के छात्रों के लिए अवसर, कार्यक्षेत्र एवं संभावनाओं के विकल्पों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में डेंटिस्ट और नर्सिंग के विद्यार्थियों को विदेशों में उपलब्ध शोध एवं रोजगार के मौकों के बारे में भी चर्चा की।

छत्तीसगढ़ की अस्मिता, स्वाभिमान और सम्मान की प्रतीक है छत्तीसगढ़ महतारी - मुख्यमंत्री बघेल

मुख्यमंत्री बघेल ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का किया अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जगदलपुर के कलेक्टर कार्यालय परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण किया और पुष्पार्पित कर उन्हें नमन किया। संभाग का पहला जिला कार्यालय जहाँ छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापित की गई है।

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रतिमा अनावरण के उपरांत कहा कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता, स्वाभिमान और सम्मान की प्रतीक है छत्तीसगढ़ महतारी। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा लगाई जा रही है ताकि लोगों में अपनी संस्कृति को लेकर चेतना जागृत की जा सके। अपने तीज-त्यौहार, लोक परम्पराओं को जानने-समझने का भावी पीढ़ी को पर्याप्त अवसर मिले, यही हमारा प्रयास है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ के परंपरागत तिहारों का आयोजन किया जा रहा है। तीजा-पोरा, अक्ती, हरेली छेरछेरा जैसे लोक जीवन के तिहारों को व्यापक स्तर पर मनाने की सार्थक पहल हुई है। बोरे-बासी को आज पूरा देश जानने लगा है। आदिवासी नृत्य महोत्सव, देवगुड़ी का कायाकल्प, आदिवासी परब सम्मान निधि जैसी पहल के माध्यम से जनजातीय संस्कृति को सम्मान दिलाने का काम किया गया है।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री कवासी लखमा, बस्तर सांसद दीपक बैज, बविप्रा के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, बविप्रा के उपाध्यक्ष विक्रम मंडावी, संसदीय सचिव रेखचन्द जैन, विधायक नारायणपुर चंदन कश्यप, पूर्व सांसद नन्द कुमार साय, महापौर श्रीमती सफीरा साहू, नगर पालिक निगम की अध्यक्ष श्रीमती कविता साहू, इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, अक्षय ऊर्जा प्राधिकरण के अध्यक्ष मिथिलेश स्वर्णकार, कमिश्नर श्याम धावड़े, आई जी सुंदरराज पी., कलेक्टर विजय दयाराम के. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व अधिकारी उपस्थित थे।

निक्षय रथ को मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी, टीबी मरीजों के इलाज के लिए चलाया जा रहा अभियान

रायपुर। निक्षय मित्र टीबी मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत 6 माह तक मरीजों का ईलाज चलने के दौरान पोषण आहार दिया जाएगा जिसमें जनभागीदारी के द्वारा टीबी मरीजों को पोषण आहार प्रति माह 1 हजार रुपये के दर पोषण किट दी जा रही है निक्षय रथ के माध्यम से जागरूक किया जा रहा

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

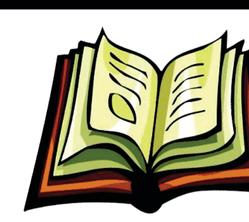

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

हितग्राहियों को समय पर ऋण व अन्य लाभ पहुंचाएं: कलेक्टर

रायपुर (ए)। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर डॉ भुरे ने बैंक अधिकारियों से कहा कि सभी ऋण प्रकरणों को 31 अगस्त से पूर्व ही कर लें। उन्होंने के.सी.सी में कृषि क्षेत्र में हुए अच्छे कार्य की सराहना की तथा उद्यानिकी, मत्स्यिकी एवं पशुपालन क्षेत्र में बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीएफ स्वानिधि योजना छोटे व्यापारियों के लिए बड़ी योजना है इस पर फोकस करना होगा। डॉ भुरे ने स्व-सहायता समूह की ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता देने कहा। उन्होंने बैंको के एटीएम के रख-रखाव एवं परिचालन सही तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं को बढ़ावा दी जाए। डॉ भुरे ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के हितग्राहियों को समय पर ऋण एवं अन्य लाभ देना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों की खाता खोलनें में किसी भी प्रकार की दिक्कत नही आना चाहिए। जनधन खाते को ओडी लिमिट देने में प्रगति लाने कहा। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी बैंक के अधिकारियों से कहा कि उन्हें आने वाले समय में और भी एटीएम का नेटवर्क बढ़ाना होगा। कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित शासकीय विभाग के अधिकारियों से कहा की बैंकों से समन्वय बनाकर प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने बैंकर्स से कहा किसी भी प्रकरण को लंबित ना रखें, यदि कोई कारण हो या दस्तावेज की कमी हो तो उसे दर्शाते हुए प्रकरण को पूर्ण दस्तावेज के साथ पुनः प्रस्तुत करने कहा।

छत्तीसगढ़ में गर्मी का कहर, सक्ति रहा सबसे गर्म

रायपुर (ए)। नौतपा का पहला ही दिन रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की बारिश ने गर्मी से राहत पहुंचाई, लेकिन इसके बाद दोपहर को तपिश बढ़ गई।

मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार को भी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाने के साथ ही हल्की बारिश के आसार है। गुरुवार को प्रदेश में एआरजी सक्ती सर्वाधिक गर्म रहा, यहां का अधिकतम तापमान 45.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गर्म हवाओं के चलते इन दिनों तपिश लगातार बढ़ती जा रही है। दोपहर की तपिश के साथ ही रात में भी उमस लगातार बढ़ रही है। रायपुर का न्यूनतम तापमान 30.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया,जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। मौसम विभाग का कहना है कि मौसम का मिजाज अभी बदला-बदला रहेगा। विशेषकर उत्तरी छत्तीसगढ़ नें अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी और दक्षिण छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। आने वाले चार से पांच दिन बिलासपुर व सरगुजा संभाग में थोड़ी राहत के आसार है। शुक्रवार को भी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाने के साथ ही कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा के आसार है।

मौसम विभाग का कहना है कि अलनीनो का प्रभाव इस वर्ष मानसून पर भी पड़ने के आसार है। संभावना जताई जा रही है कि मानसून में सामान्य से कम वर्षा संभावित है।

वाचिक परंपरा का संरक्षण और अगली पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी: मंत्री डॉ. टेकाम

'जनजातीय वाचिकोत्सव 2023' के तीन दिवसीय आयोजन का शुभारंभ

240 जनजातीय वाचक कर रहे सहभागिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा है कि राज्य में जनजातीय समुदायों की वाचिक परंपरा के संरक्षण के लिए इसको अभिलेखिकरण के साथ ही इस परंपरा से अगली पीढ़ी को अवगत कराना भी जरूरी है। डॉ. टेकाम आज आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में 3 दिवसीय 'जनजातीय वाचिकोत्सव 2023' के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन 27 मई तक आदिमजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं राज्य शासन के सहयोग से किया जा रहा है। जनजातीय वाचिकोत्सव में 09 विधाओं में 240 जनजातीय वाचक सहभागिता कर रहे हैं।

मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि राज्य में जनजातीय समुदायों की वाचिक परंपरा लिखित में नही है फिर भी यह समुदाय वाचिक परंपरा का अनुसरण करते है। प्रदेश में विभिन्न भाषाओं को बोलने वाले लोग हैं और क्षेत्र के अनुसार उनकी बोली है। इन समुदायों में उनके आदि पुरूष या पूर्वजों द्वारा बताई गई कथा, कहानी, लोकोक्ति, देवी-देवताओं की स्तुति, विभिन्न अवसरों पर गाए जाने वाले लोकगीतों आदि के पीछे छुपी हुई उनकी अवधारणा, मान्यताएं, कहानियां, मिथक जो प्रारब्ध में अनेक वर्षों से पीढ़ी दर पीढ़ी मौखिक या अलिखित रूप में है। जनजातीय समुदाय के दिन-प्रतिदिन के जीवन शैली में यह आत्मसात रही है। इस कार्यशाला के माध्यम से आदिवासी संस्कृति और उनकी वाचिक परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन का प्रयास किया जा रहा है। इन सभी का संकलन कर एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए विषयों के साथ-साथ राज्य के अन्य जनजातीय समुदायों के व्यक्तियों से भी जनजातीय वाचिक परंपरा के क्षेत्र में प्रकाशन हेतु आलेख आमंत्रित किए गए हैं। इससे आने वाली पीढ़ी वाचिक परंपरा की अवधारणा से अवगत होगी।

मंत्री डॉ. टेकाम ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार द्वारा जनजातीय समुदायों की स्थानीय भाषा-बोली, परंपरा को संरक्षित और संवर्धित करने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही विशेष जनजातीयों के विकास के लिए प्राधिकरण बनाए गए हैं। राज्य के स्कूलों में कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों को सोलह प्रकार की स्थानीय बोली में पढ़ाने की व्यवस्था की गई है। आदिवासी प्रकृति की पूजा करते है। सरकार ने इनके पूजा स्थलों को भी संरक्षित और संवर्धित करने का प्रयास किया है। इन समुदायों की आर्थिक उन्नति के लिए योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। 65 प्रकार के लघु वनोपज की खरीदी हो रही है। आदिवासी नृत्य महोत्सव में अन्य राज्यों के साथ विदेशों के जनजातीय कलाकारों के दल भी राज्योत्सव में प्रस्तुति दे रहे है।

संसदीय सचिव द्वारिकाधीश यादव ने कहा कि जल, जंगल, जमीन से जुड़ी जनजातियों के लोक साहित्य और ज्ञान की मौखिक परंपरा ही वाचिक परंपरा है, जो जनजातीय सामाजिक परंपरा के रूप में दिखाई देती है। आदिवासी समाज के पुरखों ने जंगल को बचाकर रखा जिससे हम जीवनदायिनी ऑक्सीजन ले रहे है। आदिवासी समाज हमेशा सबके मदद के लिए तैयार रहता है।

कार्यशाला को संचालक सह आयुक्त आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान शम्मी आबिदी, अनुसूचित जनजातीय आयोग की उपाध्यक्ष सुश्री राजकुमारी दीवान ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास डीडी सिंह, सदस्य अनुसूचित जनजातीय आयोग नितिन पोटाई, अध्यक्ष कमार विकास अभिकरण सुखचंद कमार, अध्यक्ष बैगा विकास अभिकरण पुसुराम मेरावी, अध्यक्ष भुजिया विकास अभिकरण हुम्मन सिंह सहित बड़ी संख्या में सहभागिता करने वाले जनजातीय वाचक और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आजादी के 70 साल बाद वाचिक परंपरा पर बात

कोण्डागांव निवासी डॉ. जयमती कश्यप ने कहा कि वाचिक परंपरा सभी समाज में है। छट्टी की परंपरा बच्चों को संस्कार देने के लिए और माटी पूजा समस्त जीवों को ध्यान में रखने वाला है। इसको आने वाली पीढ़ी को बताने और सिखाने की जरूरत है। नेशनल बुक ट्रस्ट नई दिल्ली के पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ भाषा और बोली के मामले में काफी समृध्द है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तथ्य है कि जितनी अधिक बोली-भाषा होंगी उतनी ही जैव विविधता होगी। हमें इन दोनों को ही बचाना है। जनजातीय समुदाय की भाषा-बोली की रक्षा के साथ ही अन्य समाज के लोगों को भी इसके प्रति संवेदनशील बनाना चाहिए। रांची-झारखण्ड से आए जनजातीय साहित्यकार अश्विनी कुमार पंकज ने कहा कि आजादी के 70 साल बाद वाचिक परंपरा पर बात करने जा रहे हैं। वाचिक ज्ञान आदिवासी तौर तरीका है जिसमें हम एक दूसरे को बताते और सिखाते है। वाचिक परंपरा का ज्ञान हमें बुजुर्गों से उनके अनुभव के आधार पर सीखना चाहिए । वाचिकता कहे हुए शब्दों पर भरोसा करना और उस पर कायम रहना है। आदिवासी इसीलिए कम बोलते है और जो बोलते है उस पर कायम रहते है। वाचिकता जीवन जीने का तरीका और लोगों से बर्ताव का तौर तरीका है।

टैटू प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

पुश्तैनी कला को जीवित रखा कलाकारों ने, हुनर सीखकर अब बढ़ाएंगे अपनी आमदनी: ज्ञानेश शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छ.ग. योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने आज रायपुर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला खनिज न्यास संस्थान, नगर निगम, स्मार्ट सिटी द्वारा कौशल उन्नयन कार्यक्रम के तहत संचालित टैटू प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होकर ट्रेनी टैटू कलाकारों से मिलें। उन्होंने कहा कि स्थानीय संस्कृति से जुड़े इस टैटू कला का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पक्ष हमेशा से ही अनुसंधान व आकर्षण का केन्द्र रहा है। रायपुर में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम से न केवल कलाकारों के कला में निखार आएगा, बल्कि स्वरोजगार से जुड़े कलाकारों के आमदनी भी बढ़ेगी।

स्थानीय आनंद समाज वाचनालय सभाकक्ष में 39 कलाकारों के साथ टैटू प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें तृतीय लिंग समुदाय के 10, पुरुष 19, और 8 महिला टैटू कलाकार प्रशिक्षण हेतु सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण में उन्हें टैटू की उपयोगिता, इसके कलात्मक इतिहास और आय के सृजन में निपुणता के विभिन्न आयामों की जानकारी दी गई। टैटू मास्टर शैली ने डिजाइन चयन व टैटू के दौरान अपनाए जाने वाली सावधानियों के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी। इन कलाकारों को हर व्यक्ति तक टैटू की पहुंच निर्धारित करने में सोशल मीडिया के बेहतर उपयोग के संबंध में भी अवगत कराया गया। 8 जून तक इस प्रशिक्षण का आयोजन प्रतिदिन प्रात: 8 से 11 बजे तक होगा।

केवल जैविक खाद् बेचकर महिला समूहों ने कमायें 5.29 करोड़ रुपए

ग्रामीण महिलाओं के लिए गौठान बने एम्प्लॉईमेंट हब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले में सरकार की महत्वकांक्षी योजना के तहत गांव-गांव में स्थापित किए गौठान आज ग्रामीण महिलाओं के लिए एम्प्लॉईमेंट हब का रूप लेते जा रहे है। मल्टी एक्टीविटी सेंटर के रूप में इन गौठानों का विकास तो हो ही रहा है, परन्तु सरकार की गौधन न्याय योजना से ही जिले के गौठानों में काम करने वाले महिला समूहों ने 5 करोड़ 29 लाख रूपये का लाभांश अर्जित कर लिया है। किसी एक योजना से इतनी राशि का लाभांश उसकी सफलता को स्वमेव ही सिद्ध करता है। रायपुर जिले में गौधन न्याय योजना के तहत 325 गौठानों में 2 रूपये प्रति किलो की दर से साढ़े दस करोड़ किलो से अधिक गोबर की खरीदी की जा चुकी है। इसके लिए पशुपालकों को 21 करोड़ रूपये से अधिक का भुगतान भी किया गया है। गौठानों में काम करने वाले महिला स्व-सहायता समूहों ने इस गोबर से 2 लाख 76 हजार क्विंटल से अधिक जैविक खाद का उत्पादन किया है। इसमें से इन महिला समूहों ने 18 करोड़ 60 लाख रूपये से अधिक की 2 लाख 12 हजार क्विंटल से अधिक जैविक खाद की बिक्री भी कर दी है। इस खाद से इन समूहों को 5 करोड़ 29 लाख रूपये का शुद्ध लाभ हुआ है। जैविक खाद बनाने लगे दो स्व-सहायता समूहों को उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला एवं राज्य स्तर पर पुरस्कृत भी किया गया है।

रायपुर जिले के गौठानों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा गोबर से वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट प्लस जैसे गुणवत्ता युक्त जैविक खाद तो बनाये ही जा रहें है। इसके साथ ही गोबर काष्ट, दिया, गमला, पोताई का पेंट आदि भी गौठानों में बन रहें है। जिले में गौठानों को महिला सशक्तिकरण के बेमिसाल उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा है। राज्य सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना से गांवो के सभी वर्ग आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। उन्हें आर्थिक आजादी मिल रही है। गौठानों में विभिन्न आय एवं आजीविका मूलक गतिविधियों के संचालन से महिलाएं स्वावलंबन की राह पर निश्चित रूप से अग्रसर हो रही हैं।

कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिला रायपुर में शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर रूप से होने हितग्राही समय पर लाभान्वित हो रहे हैं। जिले के 326 गौठान में से 325 गौठानों में गोधन न्याय योजनांतर्गत 15 हजार 582 पशुपालकों से 10 लाख 51 हजार 658.14 क्विंटल से अधिक गोबर क्रय किया गया एवं 21 करोड 03 लाख रूपये से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। जिले के गौठानों में महिला स्व-सहायता समूह द्वारा अब तक 1 लाख 80 हजार क्विण्टल से अधिक वर्मी कम्पोस्ट, 95 हजार 540 क्विंटल से अधिक सुपर कम्पोस्ट एवं 830.18 क्विण्टल से अधिक सुपर कम्पोस्ट प्लस जैविक खाद बनाये गए है। जिसमें से 15 करोड़ 48 लाख 73 हजार रूपये से अधिक मूल्य के एक लाख 46 हजार 249 क्विंटल से अधिक वर्मी कम्पोस्ट, 66 हजार 370 क्विंटल से अधिक सुपर कम्पोस्ट एवं 780.30 क्विंटल से अधिक सुपर कम्पोस्ट प्लस का विक्रय किया जा चुका है।

मंत्रालय में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मंत्रालय महानदी भवन में झीरम श्रद्धांजलि दिवस पर मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर नक्सली हिंसा में शहीद हुए जनप्रतिनिधियों, सुरक्षा बल के जवानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही छत्तीसगढ़ को शांति का टापू बनाने की शपथ ली।

मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारियों ने 25 मई 2013 को झीरम घाटी में नक्सल हिंसा के शिकार हुए जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पदाधिकारीगण, सुरक्षा बलों के जवान एवं विगत वर्षों तथा वर्तमान में नक्सल हिंसा में शहीद हुए अन्य सभी भाईयों-बहनों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही अपने राज्य में अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते हुए सभी प्रकार के नक्सलवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने और राज्य को पुनः शांति का टापू बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित रहने की शपथ ली।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

अक्षय कुमार ने केदारनाथ मंदिर में लिया आशीर्वाद, प्रशंसकों का किया अभिवादन

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर के दर्शन किए। एक्टर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह पूजा-अर्चना के बाद मंदिर से बाहर आते और फिर बाहर हाथ जोड़कर प्रशंसकों का अभिवादन करते नजर आ रहे हैं। एक्टर ने भी इंस्टाग्राम पर मंदिर का एक वीडियो साझा किया और इसे कैप्शन दिया- जय बाबा भोलेनाथ।

वायरल क्लिप में अक्षय के साथ काफी सिक्योरिटी भी है। वह मंदिर जाने के लिए पूरी तरह से काले रंग की पोशाक पहने नजर आ रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, अक्षय अगली बार बड़े मियां छोटे मियां में दिखाई देंगे। फिल्म, जिसमें टाइगर श्रॉफ भी हैं, की शूटिंग स्कॉटलैंड, लंदन, भारत और यूएई के विभिन्न स्थानों में की गई है। उनके पास ओएमजी-ओह माय गॉड 2, सोरारई पोटरु का हिंदी रीमेक और हेरा फेरी फ्रेंचाइजी की अगली किस्त भी है।

प्रीति जिंटा, पति जीन गुडएनफ ने दलाई लामा से की मुलाकात, शेयर की तस्वीर

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा और उनके पति जीन गुडएनफ ने धर्मशाला में आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मुलाकात की और तस्वीरें साझा कीं। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में प्रीति को मुस्कुराते हुए और जीन को दलाई लामा का हाथ पकड़े हुए देखा जा सकता है। अगली तस्वीरों में तीनों को एक कमरे में बात करते हुए दिखाया गया है।

तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, धर्मशाला में आईपीएल को समाप्त करने की मुझे उम्मीद नहीं थी, लेकिन परम पावन दलाई लामा से धर्मशाला में मिलना वह सब कुछ था जिसकी मुझे आशा थी। आभारी हैं कि हमें उनके साथ कुछ समय बिताने का मौका मिला। उन्होंने हमारे साथ हंसी और ज्ञान की बातें साझा की। एक्ट्रेस ने फिर से अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह स्ट्रीट फूड की प्लेट पकड़े हुए दिखाई दे रही है। प्रीति और जीन ने 2016 में लॉस एंजेलिस में शादी की थी। दोनों ने 2021 में अपने जुड़वां बच्चों जिया और जय का स्वागत किया।

200 करोड़ी हुई द केरला स्टोरी, 5वें महीने में मिली दूसरी ब्लॉकबस्टर

पठान के बाद वर्ष के 5वें महीने में बॉक्स ऑफिस को दूसरी सबसे बड़ी फिल्म द केरला स्टोरी के रूप में मिली है। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित और सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित यह फिल्म प्रदर्शन पूर्व विवादों में आ गई थी जिसका फायदा उसे प्रदर्शन के बाद मिला। हालांकि सोमवार को इसके कारोबार में जबरदस्त गिरावट नजर आई।

फिर भी, टीकेएस अब तक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये कमाने में कामयाब रही है। अदा शर्मा की मुख्य भूमिका वाली, द केरल स्टोरी धार्मिक रूपांतरण के गंभीर विषय और तीन महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। केरल कहानी बॉक्स ऑफिस संग्रह द केरला स्टोरी को लेकर तमाम विवादों के बीच, यह फिल्म 5 मई को रिलीज़ हुई थी। यह बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है, और 16 मई को यह फिल्म सिनेमाघरों में 150 करोड़ रुपये (शुद्ध) को पार करने में भी कामयाब रही।

सिनेमाघरों में अपने तीसरे सोमवार को, फिल्म एक महत्वपूर्ण गिरावट के बाद भी 200 करोड़ रुपये के क्लब को पार करने में सफल रही। शुरुआती व्यापार अनुमानों के अनुसार, फिल्म ने कथित तौर पर 18वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 5.50 करोड़ रुपये की कमाई की, जो कि पिछले दिन के संग्रह से लगभग 6 करोड़ कम है। इसलिए, केरल स्टोरी का कुल संग्रह अब 204.47 करोड़ रुपये है। 22 मई को हिंदी में कुल 15.58 प्रतिशत की ऑक्यूपेंसी थी। केरल कहानी के बारे में केरल की कहानी अदा शर्मा द्वारा अभिनीत केरल की एक हिंदू महिला की कहानी है। इस्लाम अपनाने के लिए उसका ब्रेनवॉश किया जाता है और उसे सीरिया भेज दिया जाता है, जहां उसे आईएसआईएस आतंकवादी संगठन में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है। वहां उसे प्रताड़ित किया जाता है। फिल्म सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित है। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही द केरला स्टोरी सवालों के घेरे में है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है तोरई, कई बीमारियों को करती है दूर

तोरई अपने आहार में शामिल करने और गर्मी के महीनों के दौरान शरीर को ठंडा रखने के लिए गर्मियों की आदर्श सब्जी है। पानी की मात्रा में उच्च और कैलोरी पर कम, तुरई कुकुर्बिटेसी या लौकी परिवार से संबंधित है और फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी, लोहा, मैग्नीशियम, विटामिन बी 6, पोटेशियम, सोडियम, जस्ता, तांबा और सेलेनियम का भंडार है। तोरई अपने उच्च फाइबर और पानी की मात्रा के साथ आपके कब्ज के मुद्दों को भी कम कर सकती है। गर्मियों के दिनों में तोरई या तुरई कब्ज को कम करने, वजन कम करने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है।

तोरई आपके रक्त शर्करा के स्तर को संतुलित करने में भी प्रभावी है। यह लिवर के कार्य के लिए भी अद्भुत मानी जाती है क्योंकि सब्जी जहरीले कचरे, शराब के अवशेषों को खत्म करने और वसा के संचय को रोकने में मदद करती है। तोरई गर्मियों के दौरान शरीर की अत्यधिक गर्मी को कम करने में भी मदद करती है, जिसके चलते कई बीमारियों से छुटकारा मिलता है।

गर्मियों में भूख मर जाती है। लेकिन आप जानते हैं कि इस मौसम से बचने के लिए अच्छी तरह से खाने की जरूरत है। आयुर्वेद के अनुसार, गर्मी उत्तरी संक्रांति (उत्तरायण) का आखिरी मौसम है, इसलिए गर्मी की तीव्रता और खुश्की अपने चरम पर होती है जिससे शरीर की ताकत का प्राकृतिक नुकसान होता है। अधिक गर्मी और शुष्कता के कारण शरीर से पानी की अत्यधिक हानि होती है। वनस्पति जगत के गुमनाम नायक - तुरई से मिलें। यह विनम्र सब्जी हो सकती है यह स्वास्थ्य लाभों से भरी हुई है जो बहुत अच्छा है।

तोरी के फायदे

- ■सूजन को कम करने से लेकर वजन घटाने में सहायता करने तक, तुरई के कई फायदे हैं। सब्जी विटामिन सी, आयरन, मैग्नीशियम, राइबोफ्लेविन, थायमिन और जिंक का भंडार है जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करता है।
- ■तोरी आयरन और मैंगनीज का एक समृद्ध स्रोत है। यह बीटा कैरोटीन में उच्च है और इस प्रकार आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जानी जाती है।
- ■यह लिवर को स्वस्थ रखने का काम करती है। लिवर को डिटॉक्सिफाई करने का काम करती है और शराब के नशे से भी बचाती है।
- ■यह दिल के लिए अच्छी है और आपको खतरनाक बीमारियों से बचाने के लिए फ्री रेडिकल्स से लड़ती है।
- ■यह फाइबर में उच्च है और विटामिन सी और ए का अच्छा स्रोत है।

गर्मियों के मौसम में इन परिधानों को पहनकर दिखे स्टाइलिश

गर्मी के मौसम में तेज धूप और गर्मी के कारण नवयुवतियों का फैशनेबल दिखना बहुत मुश्किल हो जाता है। इस मौसम में वे अपने परिधान का चयन करते हुए विचारों में पड़ जाती हैं। ऐसे में स्टाइलिश दिखाना और धूप से खुद को बचाना लड़कियों के लिए बहुत ही मुश्किल होता है पर आज हम आपको कुछ ऐसे परिधानों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें पहनकर आप खुद को स्टाइलिश बना सकती हैं—

मिडी स्कर्ट

आप इन गर्मियों में अपने वार्डरोब में मिडी स्कर्ट को जरूर शामिल करें। यह गर्मियों में पहनने के लिए एक परफेक्ट फिट होगा। आप आसानी से इसको चेंज कर सकती हैं। आप इसके साथ हील्स पहन सकती हैं। अगर आप इसको कैजुअल वियर करना चाहती हैं तो इसके साथ स्नीकर्स की पेयरिंग भी की जा सकती है।

फ्रंट ओपन ड्रेस

कॉटन लॉन्ग ड्रेसेस में फ्रंट ओपन ड्रेस, आपको स्टाइलिश लुक देगी। इसे कॉटन पैंट या प्लाजो के साथ कैरी कर सकती हैं। इस ड्रेस में फ्रंट में जिप लगी होती है या फिर बटन, जिससे फिटिंग बेहद परफेक्ट आती है।

पफ स्लीव्स ड्रेस

खुद को स्टाइलिश लुक देने के लिए आप इन गर्मियों में पफ स्लीव वाली ड्रेस चूज कर सकती हैं। आप पफ स्लीव्स वाली टॉप के साथ स्कर्ट भी वियर कर सकती हैं। इस तरह का ड्रेस डेली वियर और ऑफिस वियर में आसानी से पहना जा सकता है। डिसेंट लुक के लिए कम से कम एक्सेसरीज पहनें मैक्सी कॉटन ड्रेस - लूज, लॉन्ग कॉटन मैक्सी ड्रेस देखने में बहुत अच्छी लगती हैं। ये कमर तक टाइट होती है और फिर लूज रहती है, आपको इससे फ्रॉक ड्रेस टाइप लुक मिलता है। इसे किसी भी उम्र की महिलाएं पहन सकती हैं।

पोल्का डॉट ड्रेस

हालांकि पोल्का डॉट 70 के दशक का भी फैशन रहा है। लेकिन यह भी सच है कि यह डिजाइन आज भी ओल्ड फैशन नहीं है। आप इन गर्मियों में अपने लिए पोल्का डॉट वाली रफेल्ड टॉप ले सकती हैं। इसको जीन्स या पेंट के साथ वियर कर जा सकता है और फंकी लुक के लिए साथ में स्नीकर्स पहने जा सकते हैं। आप चाहें तो पोल्का डॉट मिडी भी ट्राई कर सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा की वेब सीरीज 'सिटाडेल' के दूसरे सीजन का हुआ ऐलान

प्रियंका चोपड़ा की वेब सीरीज 'सिटाडेल' पर दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया। यह उनके करियर का पहला वेब शो था, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर आया। शो को समीक्षकों से भी भरपूर प्यार मिला। खासकर प्रियंका की अदाकारी की खूब तारीफ हुई। इस सीरीज ने दुनियाभर में एक बड़े दर्शक वर्ग को आकर्षित किया है। इसकी सफलता को देखते हुए अब सीरीज के दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया गया है। अमेजन प्राइम वीडियो ने यह घोषणा की है।

'देसी गर्ल' की एक्शन से लबरेज सीरीज 'सिटाडेल' की चर्चा अभी पूरी तरह से समाप्त भी नहीं हुई है। इसका आखिरी एपिसोड 26 मई को स्ट्रीम होने वाला है। उससे पहले ही इसके दूसरे भाग की घोषणा हो गई है, जो बेशक प्रियंका के प्रशंसकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। इस एक्शन पैक्ड स्पाई थ्रिलर सीरीज में एक बार फिर प्रियंका के साथ हॉलीवुड स्टार रिचर्ड मैडेन की जोड़ी बनने वाली है। दूसरे सीजन के हर एपिसोड का निर्देशन जोसेफ उर्फजो रूसो करेंगे, जबकि पहले सीजन को उन्होंने जेसिका यू और न्यूटन थॉमस सिगेल, एंथोनी रूसो के साथ मिलकर निर्देशित किया था। एंथोनी और जो रूसो ने एक बयान में कहा, हम इस अगले सीजन को शुरू करने के लिए रोमांचित हैं।

पुष्पा-2 में नजर आ सकते हैं रणवीर सिंह असफलता से उबरने का प्रयास

हिन्दी सिनेमा के ऊर्जावान सितारों में शामिल रणवीर सिंह इन दिनों अपनी असफलता को लेकर चर्चाओं में हैं। उनकी गत वर्ष प्रदर्शित रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस असफल हो गई थी। उससे पहले उनकी कबीर खान निर्देशित 83 को भी असफलता का सामना करना पड़ा था। बताया जा रहा है कि अपनी असफलता को धोने के लिए रणवीर सिंह ने ख्यातनाम निर्देशक सुकुमार का हाथ थामा है। प्राप्त समाचारों के अनुसार रणवीर सिंह सुकुमार के निर्देशन में बन रही अल्लू अर्जुन अभिनीत पुष्पा-2 में कैमियो करने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रणवीर सिंह पुष्पा-2 में पुलिस वाले की भूमिका में नजर आएंगे। जिसके चलते फिल्म को एक अलग मोड मिलेगा। बताया जा रहा है कि रणवीर सिंह पर कुछ एक्शन दृश्य भी फिल्माए जाएंगे, जिससे एक्शन का डोज डबल होगा। हालांकि अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अल्लू अर्जुन के फैंस को काफी बेसब्री से फिल्म पुष्पा- दि रूल का इंतजार है। जब फिल्म का पहला पार्ट आया था तो पूरे देश के सिर पर पुष्पा फीवर चढ़ा हुआ था। फिल्म के गाने, डायलॉग और हर एक सीन लोगों को जुबानी याद हो गया था। फिल्म के हीरो अल्लू अजुर्न की फैन फॉलोइंग इस फिल्म से कई गुना बढ़ चुकी है। इन दिनों फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन वर्क जारी है। मेकर्स ने बीते दिनों फिल्म का एक वीडियो भी जारी किया था, जिसमें यह नजर आया था कि पुष्पा फरार हो गया है और पूरे देश की पुलिस उसे खोज रही है। मेकर्स ने फैंस को इस वीडियो के साथ यह जानकारी भी दी थी कि फिल्म को इस साल के अंत तक रिलीज किया जा सकता है।

50 करोड़ के बजट में दूरदर्शन का मेगा सीरियल स्वराज, फिर भी टीआरपी में पीछे

क्या हम सभी अंग्रेजों से भारत की आजादी के गौरवशाली इतिहास के बारे में शो देखना पसंद नहीं करते? राष्ट्रीय उत्साह को ध्यान में रखते हुए, पिछले साल, 75 वें स्वतंत्रता दिवस पर, दूरदर्शन स्वराज - भारत के स्वतंत्रता संग्राम की समग्र गाथा नामक एक ऐतिहासिक शो लेकर आया था। मेगा शो का प्रसारण 14 अगस्त, 2022 से शुरू हुआ, जिसमें भारतीय इतिहास के कई पहलुओं को दर्शाया गया है, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम के कम ज्ञात नायकों के जीवन और बलिदान शामिल हैं। मनोज जोशी स्वराज के सूत्रधार हैं।

अमित शाह ने स्वराज का शुभारंभ किया, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका व्यापक रूप से प्रचार किया। जाहिर है, यह एक मेगा-बजट टीवी शो माना जाता था। खबरों की मानें तो स्वराज को 50 करोड़ रुपये से अधिक के अनुमानित बजट पर बनाया गया था!

स्वराज का निर्माण कॉन्टिलो पिक्चर्स द्वारा किया गया है। यह मुंबई में स्थित एक प्रोडक्शन हाउस है, और अभिमन्यु सिंह द्वारा स्थापित किया गया है। अभिमन्यु ने न्यूज़लॉन्ड्री को बताया था कि शो का प्रसारण 2022 में शुरू हुआ था, लेकिन इस पर काम 2020 में शुरू हो चुका था. समाचार रिपोर्ट ने आगे सुझाव दिया कि दूरदर्शन ने कॉन्टिलो को प्रत्येक एपिसोड के लिए 47 लाख रुपये का भुगतान किया! अगर 18 फीसदी जीएसटी को शामिल कर लिया जाए तो यह करीब 55.46 लाख रुपये प्रति एपिसोड हो जाता है। इसलिए, 75 एपिसोड के लिए लगभग 41.59 करोड़ रुपये खर्च किए गए। रिपोर्ट ने यह भी सुझाव दिया कि प्रसार भारती ने शो के प्रचार पर 9 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। इसे तोड़ने के लिए कार सनशेड प्रिंटिंग पर 2,08,152 रुपये खर्च किए गए। लोहे के होर्डिंग्स पर 24,190 रुपये और ट्विटर ट्रेंड पर 1,88,800 रुपये खर्च किए गए! इतना ही नहीं, यह भी आरोप है कि समाचार में विज्ञापन के लिए बुबना नामक विज्ञापन एजेंसी को 1.63 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

सुनील शेट्टी ने की सलमान खान की दिल खोलकर तारीफ, बताया गोल्डन हार्ट

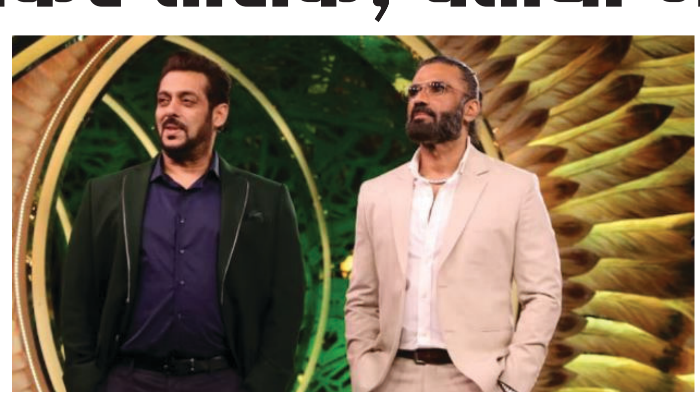

एक सुपरस्टार को अपने फैन्स का भरपूर प्यार मिलता है और जब बात सलमान खान जैसे सुपरस्टार की हो तो सब कुछ डबल हो जाता है। सब जानते है कि सलमान एक ऐसे सुपरस्टार हैं जिनका दिल सोने का है, ऐसे ही नही उन्हें उनके फैन्स ने भाई का टैग दिया है। जरूरतमंद लोगों के लिए खड़ा होना होने से लेकर गरीब बच्चों की मदद करने तक, इस सुपरस्टार का दिल हर एक के लिए धड़कता है। लेकिन हमने कभी भी उन्हें उनके द्वारा किए गए नेक कामों के बारे में बात करते नही देखा हैं, हालांकि इंडस्ट्री में बाकी सब सलमान खान की इसके लिए जमकर तारीफ करते दिख जाते हैं। सुनील शेट्टी भी उसमें शामिल हैं।

सुनील शेट्टी इंडस्ट्री के उन गिने-चुने लोगों में से हैं जो सलमान खान को बेहद करीब से जानते हैं और उनके साथ अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते हैं। सलमान के इतने करीब होने के कारण, सुनील शेट्टी दुनिया को यह बताने का एक मौका नहीं छोड़ते कि वह कितने विनम्र हैं और अक्सर उनकी तारीफ करते दिख जाते हैं। वह वास्तव में यह कहने में दृढ़ विश्वास रखते हैं, मैंने हमेशा कहा है कि मुझे नहीं लगता कि कोई भी सलमान को मेरी तरह जानता है। सिर्फ एक या दो बार नहीं, बल्कि कई मौके आए हैं जब सुनील शेट्टी ने सलमान खान और उनकी दयालुता के लिए सराहा है। एक बार उन्होंने कहा था, देखिए आज भी सलमान इस मुकाम पर हैं क्योंकि उनका दिल ऐसा है। फिर एक और इंटरव्यू में उन्होंने कहा, जो लोग सलमान को जानते हैं, मैं हमेशा कहता हूं कि आपको सलमान खान को जानने की जरूरत है। खैर, सुनील वास्तव में सलमान को एक गोल्डन हार्ट वाला व्यक्ति कहते हैं। तुम कुछ भी मांगो वह निकाल कर तुम्हें देगा।

बोन मैरो की कमी से जूझ रहे एक बच्चे के लिए सलमान खान द्वारा अपना बोन मैरो टेस्ट करवाने की कहानी बहुत कुछ कहती है कि सलमान खान का दिल कितना बड़ा है। एक और दूसरे मौके पर, सुनील शेट्टी ने जाहिर किया, मुझे अभी भी याद है कि कोई उन्हें बार-बार कॉल कर रहा था, वह गया और मैंने पूछा कि वह कहां जा रहा है लेकिन उसने मुझे नहीं बताया। उसने कहा कि मेरे पास काम है, जब हो जाएगा तो मैं वापस आ जाऊंगा, बाद में मुझे पता चला कि वह एक बच्चे के लिए अपना बोन मैरो टेस्ट कराने गया था, जिसे बोन मैरो कैंसर था और जहां तक मुझे पता है कि यह सबसे दर्दनाक टेस्ट होता है। उसने मुझे बताया भी नहीं, वह चला गया, टेस्ट करवा कर वापस आया, और फिर शामिल हो गए। उन्होंने लोगों के लिए बहुत कुछ किया है, मैं भौतिक चीजों के बारे में बिल्कुल भी बात नहीं कर रहा हूं।

अपनी चैरिटेबल फाउंडेशन, बीइंग ह्यूमन के साथ, सलमान जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाते हैं। फाउंडेशन विभिन्न परियोजनाओं का समर्थन करता है और अन्य गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से भी चैरिटेबल एक्टिविटी परफॉर्म करता है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन 30 अगस्त तक

बिलासपुर। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा पद्म पुरस्कार श्रृंखला के तहत पद्म विभूषण, पद्म भूषण तथा पद्मश्री पुरस्कार के लिए वर्ष 2024 हेतु नामांकन प्रस्ताव 30 अगस्त तक ऑनलाईन www.padmaawards.gov.in के माध्यम से चाही गई है। यह पुरस्कार कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान, इंजीनियरिंग, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार और उद्योग आदि क्षेत्रों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों एवं सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। कोई भी व्यक्ति, किसी जाति, व्यवसाय, लिंग के भेदभाव के बिना इन पुरस्कारों के लिए महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों जैसे अनुसूचित जातियां, जनजातियां, दिव्यांग व्यक्तियों आदि में से प्रतिभाशाली व्यक्तियों की पहचान कर पुरस्कार के लिए विचार किये जा सकते हैं।

खेलो इंडिया रूरल एंड इंडिजेनस नेशनल गेम्स के लिए चयन ट्रायल किया गया आयोजित

रायपुर। भुवनेश्वर (ओडिशा) में 9 से 12 जून तक होने वाली खेलो इंडिया रूरल एंड इंडिजेनस नेशनल गेम्स 2023 का चयन ट्रायल आज राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई, बिलासपुर में आयोजित किया गया। इस चयन ट्रायल में 122 पुरूष तथा 120 महिला खिलाड़ी चयनित हुए हैं।

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से लगभग 500 जनजातीय वर्ग के खिलाड़ी चयन ट्रायल में शमिल हुए थे। चयन ट्रायल तीरंदाजी, फुटबाल, एथलेटिक, हॉकी, कबड्डी, खो-खो, रग्बी, स्वीमिंग, बॉलीबॉल एवं योगासन के लिए आयोजित किया गया था।

पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले व श्रीमती उषा बारले को चुनाव आयोग ने बनाया छत्तीसगढ़ का स्टेट आइकॉन

दुर्ग। चुनाव आयोग ने पंथी नर्तक पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले और पंडवानी गायिका पद्मश्री श्रीमती उषा बारले छत्तीसगढ़ का स्टेट आइकॉन नियुक्त किया है। जिसके पश्चात् आज दोनों कलेक्टोरेट परिसर में कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा से मिलने पहुंचे थे। चुनाव आयोग द्वारा स्टेट आइकॉन नियुक्त किए जाने व कला के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान पर कलेक्टर ने उन्हें बधाई दी और आशा जताई कि उनके स्टेट आइकॉन बनने से छत्तीसगढ़ राज्य के मतदाता अपने मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक होंगे और विवेक पूर्ण इसका इस्तेमाल करेंगे। इस अवसर पर पदमश्री डॉ. राधेश्याम बारले व श्रीमती उषा बारले ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा सौंपे गए दायित्व का पूर्ण निर्वहन उनके द्वारा किया जाएगा।

पर्यावरण के प्रति सजग भिलाई का जलवायु परिवर्तन से निपटने एक पहल बीएसपी में 15 इलेक्ट्रिक वाहनों का वितरण

भिलाई। सेल, भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने वर्तमान में मुख्य महाप्रबंधकों के कार्यालयों द्वारा उपयोग किए जा रहे पेट्रोल/डीजल चलित वाहनों की जगह, सभी मुख्य महाप्रबंधकों को उनके कार्यालयों में कुल 42 इलेक्ट्रिक वाहनों को वितरित करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत संयंत्र ने टाटा मोटर्स से 42 नये इलेक्ट्रिक वाहन 'टिगोर' प्राप्त करते हुए पर्यावरण के प्रति अपनी सजगता को प्रदर्शित किया है। इसी कड़ी में बुधवार दिनांक 24 मई 2023 को टाटा मोटर्स ने सेल भिलाई इस्पात संयंत्र को द्वितीय चरण में 15 नई टिगोर ईवी वाहन प्रदान किये गए। ज्ञात हो कि 12 मई, 2023 को पहले चरण में 22 नई टिगोर ईवी वाहन प्रदान किये जा चुके हैं। इन वाहनों की पहली और दूसरी दोनों खेप सेक्टर-7 स्थित टाउनशिप गैरेज में आयोजित एक समारोह में प्राप्त की।

ढोंगी साधुओं के प्रभाव में आकर अपना घर और भविष्य बर्बाद न करें महिलाएं - डॉ किरणमयी नायक

लैब टेक्नीशियन ने बच्चे को अपना कहने से किया इनकार, आयोग की समझाइश के बाद डीएनए टेस्ट के लिए राजी

- ढोंगी साधुओं के प्रभाव में आकर अपना घर और भविष्य बर्बाद न करें महिलाएं
- 498 ए का प्रकरण सोच-समझकर दर्ज करायें महिलाएं
- नर्सिंग की छात्रा के सर्टिफिकेट रोकने वाले कॉलेज को आयोग ने आगामी रायगढ़ सुनवाई में सर्टिफिकेट लाने का दिया निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं सदस्य श्रीमती अर्चना उपाध्याय ने आज कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रस्तुत प्रकरणों पर जनसुनवाई की। छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में आज प्रदेश स्तर की 176 वीं और जिले स्तर की 6वीं जन सुनवाई हुई। जांजगीर-चांपा जिले में आयोजित आज की जनसुनवाई में कुल 40 प्रकरणों पर सुनवाई की गई। आज आयोजित जन सुनवाई में महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ किरणमयी नायक ने महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि महिलाएं ढोंगी साधुओं के प्रभाव में आकर अपना घर और भविष्य बर्बाद न करें। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष एवं सदस्य द्वारा 26 मई को भी 40 प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी।

आज के सुनवाई के दौरान एक प्रकरण में उभयपक्ष ने बताया कि चांदीपहाड़ गौशाला के साधू के खिलाफआवेदिका ने 376 की रिपोर्ट दर्ज करायी। इस साधु की वजह से उभयपक्ष के बीच मन मुटाव हुआ था और सखी सेंटर की पहल से एफ्आईआर दर्ज हुई थी तथा सखी सेंटर की काउंसलिंग की वजह से समझौते के साथ-साथ रहने को तैयार हुए। आज दोनों ने स्वीकार किया कि एक दूसरे के विरूद्ध कोई शिकायत नहीं है। अतः प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। सखी सेंटर को 376 की प्रकरण की जानकारी लेकर आयोग को जानकारी देने कहा गया।

एक प्रकरण में आवेदिका ने बताया कि उसने पिछले वर्ष शिकायत दर्ज करायी थी। 27 सितम्बर 2022 को अनावेदक और परिवार के विरूद्ध धारा 498 ए का रिपोर्ट दर्ज करा दिया गया। जिस पर दोनो पक्षो को समझाईश दिया गया कि एकमुश्त भरणपोषण राशि के एवज में आपसी राजीनामा के बाद तलाक पर दोनों पक्ष आवश्यकतानुसार सखी सेंटर केन्द्र प्रशासक जांजगीर से मदद ले लें। क्योंकि पुलिस थाना में एफ्आईआर दर्ज हो चुकी है । अतः प्रकरण आयोग में सुनवाई किया जाना संभव नहीं होंगे। योग्य नही होने के कारण प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया।

एक अन्य प्रकरण में उभयपक्ष उपस्थित दोनो पक्ष के बीच सुलहनामा हो चुका है। दोनों जनवरी 2022 से एक साथ रह रहा है। समझौते नामे के आधार पर प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया। एक अन्य प्रकरण में उभयपक्ष उपस्थित आवेदिका ने बताया कि उसके पति के मृत्यु के बाद अनावेदकगण ने उसे घर से निकाल दिया है। ग्राम तरौद में उसके पति का होलसेल किराना दुकान है । उसके 2 बच्चे है और ना ही भरण पोषण के लिए कोई राशि दिया है। आवेदिका के पति के होलसेल किराना दुकान ग्राम तरौद में है जिसमें महिने के 25 से 30 लाख रूपये की बिक्री होती है। लगभग 4 एकड़ जमीन और 50 लाख का मकान है इसके बावजूद आवेदिका को अनावेदकगण के द्वारा कोई भी राशि नहीं दिया जा रहा है। आवेदिका के दो बच्चे 13 और 11 वर्ष के है जो पिछले 10 साल से आवेदिका दोनों बच्चों के साथ अकेले भरण पोषण कर रहे है। अनावेदकगण ने बताया कि आवेदिका के पति के पहली पत्नी के एक बेटी है जो वर्तमान में 19 वर्ष की है जिसका पालन पोषण अनावेदकगण कर रहे है। खेती की जमीन पर आवेदिका के मृत पति के स्थान पर आवेदिका का नाम चढ़वा दिया गया है। दुकान पर अनावेदक अकेले काम कर रहा है और आवेदिका के पति जीवन काल में काम करते थे। उसकी मृत्यु पश्चात आवेदिका और उसके बच्चें का नाम दुकान में नहीं किया गया है और हिस्सा नहीं दिया है। उभय पक्ष को विस्तार से आयोग की ओर रिपोर्ट देने के लिए एक कमेटी बनाया गया है जिसमें सदस्य अर्चना उपाध्याय, आयोग के वकील श्री अखिलेष कुमार और केन्द्र प्रशासक एच.निशा खान तीनों आज ही शाम को उभयपक्ष के साथ ग्राम तरौद में जाकर स्थल निरीक्षण कर किराना दुकान और घर मकान की फोटों लेकर तथा आवेदिका की आलमारी का अवलोकन कर उपस्थित होंगे और रिपोर्ट आयोग के सुनवाई के दौरान प्रस्तुत करेंगें। उभय पक्ष के साथ जांजगीर पुलिस - महिला प्रधान आरक्षक मंजू सिंह कमेटी के साथ जायेंगी।

जिले के गौठानों में संचालित हो रही है विभिन्न आर्थिक गतिविधियां, महिला सशक्तिकरण को मिल रहा बढ़ावा

दुर्ग। जिले के गौठानों में विभिन्न आर्थिक गतिविधियां संचालित हो रही है इसी कड़ी में ग्राम पंचायत चंदखुरी के 6 महिला स्व सहायता समूहों द्वारा गौठान में विभिन्न आर्थिक गतिविधियां संचालित कर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। शासन की नरवा, गरूवा, घुरवा और बाड़ी योजना के अंतर्गत जिले के ग्राम चंदखुरी के गौठान में विभिन्न प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं, जिसमें मछली उत्पादन, पैराकुट्टी, वर्मी कम्पोस्ट, केंचुआ पालन, गाय पालन, मुर्गी पालन व बायोफ्लॉक्स का कार्य जोरो से किया जा रहा है।

गौठान में मछली पालन- जय अम्बे स्व सहायता समूह के अध्यक्ष श्रीमती दीपिका चंद्राकर के अनुसार अक्टूबर माह से अब तक गौठान में 400 से 500 रंगीन मछलियों का उत्पादन किया जा रहा है। अब तक 29 हजार की रंगीन मछलियां बेची जा चुकी है। मछली उत्पादन से 9 हजार रूपए का व्यय हुआ है। इसी प्रकार श्री सिन्धुजा स्व सहायता समूह के माध्यम से फिंगर फिश का उत्पादन किया जा रहा है, जिसकों बड़ा होने पर तालाब व ढबरी में छोड़ दिया जाता है, जिसे किसान इसे बेचकर आय अर्जित कर रहे हैं। अभी तक 7 हजार की फिंगर फिश बेची जा चुकी है। पल्लवी स्व सहायता समूह के माध्यम से 5 बायोफ्लॉक्स का निर्माण किया गया, जिसमें एक बायोफ्लॉक्स 2500 किलो मछलियां उत्पादित की जा रही है।

कलेक्टर ने आदिम जाति विकास विभाग श्रम विभाग, समाज कल्याण एवं अंत्यावसायी विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक ली

- विभागीय योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को प्राथमिकता से लाभान्वित करें- कलेक्टर

जशपुरनगर। कलेक्टर डॉ रवि मित्तल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आदिम जाति विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, श्रम विभाग, अंत्यावसायी विभाग, उद्योग विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग में संचालित योजनाओं की बैठक लेकर संयुक्त समीक्षा की। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को विभागीय योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को प्राथमिकता से लाभान्वित करने हेतु निर्देशित किया।

कलेक्टर डॉ. मित्तल ने आदिम जाति विकास विभाग अंतर्गत समीक्षा बैठक में सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण मद अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों का विधानसभावार एवं वर्ष वार सूची प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण अंतर्गत स्वीकृत अपूर्ण कार्यों की सूची उपलब्ध कराने कहा।

कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विकलांगता जांच एवं जरूरतमंदों को सहायक उपकरण प्रदान करने के साथ ही विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न प्रकार के पेंशनो का आम जनों को भुगतान समय पर करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अंत्यव्यवसायी विभाग की योजनाओं की जानकारी लिया एवं योजनाओं के पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। श्रम विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विभाग की ओर से संचालित योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु सभी श्रमिकों का शत प्रतिशत पंजीयन कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने व्यापक प्रचार प्रसार के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक इन सभी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने व आम जनों को योजना का लाभ जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने उद्योग विभाग एवं रोजगार विभाग की समीक्षा करते हुए विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

सहसपुर लोहारा के नया तालाब का 2 करोड़ रुपए की लागत से होगा भव्य सौंदर्यीकरण

कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने किया विधिवत भूमिपूजन

वार्ड क्र. 11 में 31 लाख 97 हजार रुपए की लागत से होगा मुक्तिधाम का उन्नयन कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के वार्ड क्रमांक 09 स्थित नया तालाब का 1 करोड़ 99 लाख 64 हजार रूपए की लागत से सौंदर्यीकरण होगा। प्रदेश के वन, परिवहन, आवास, पर्यावरण, विधि विधायी तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री व कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर ने बुधवार को नया तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। मंत्री श्री अकबर ने इसके साथ ही वार्ड क्र. 11 में 31 लाख 97 हजार रूपए की लागत से मुक्तिधाम उन्नयन कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने ग्राम सिल्हाटी में पटेल समाज के लिए सामुदायिक भवन का शिलन्यास किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री होरी साहू, श्री कलीम खान, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष श्री नीलकंठ साहू, उपाध्यक्ष श्री चोवा साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आनारा बाई साहू, उपाध्यक्ष श्री अजय यादव सहित पाषर्दगण, एल्डरमेन और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री अकबर ने कहा कि गिरते जल स्तर को बनाए रखना अतिआवश्यक है, इसके लिए तालाबों को यदि हम संरक्षित कर उसका रखरखाव एवं वाटर लेवल बनाए रखें तो कभी कोई समस्या नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि लगातार तालाबों, शमशान घाट एवं गार्डनों को व्यवस्थित करने कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण एवं जल संचय करते हुए भू-जल स्तर में वृद्धि करने के उद्देश्य से कबीरधाम जिले में 76 अमृत सरोवर (तालाबों) का निर्माण हो रहा है।

नया तालाब भव्य प्रवेश द्वार के साथ चारों तरफसोलर लाईट से सजेगी

मंत्री अकबर ने नया तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने बताया कि नया तालाब के सामने में भव्य प्रवेश द्वार बनाया जाएगा, चारो तरफ पाथवे का निर्माण किया जाएगा, तालाब के किनारे पचरी, ट्री चबूतरा बनाया जाएगा। इसके साथ ही तालाब के चारों तरफ फेंसिग, तालाब के चारो ओर सोलर लाईट से रोशनी होगी। इसके साथ ही नया तालाब को पीचिंग, चेयर और व्यू प्वाईंट से सौंदर्यीकरण किया जाएगा। नया तालाब के सौंदर्यीकरण होने से नागरिकों को आकर्षित करेगी। बच्चों से लेकर बड़े सभी यहां सुकून महसूस करेंगे। बच्चों की उनकी जरूरतों को विशेष ध्यान रखा गया है, बच्चे यहां भरपूर मनोरंजन करेंगे।

भू-जल वृद्धि करने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किया जा रहा पहल

मंत्री अकबर ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के महत्वकांक्षी सुराजी गांव योजना के तहत नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी अभियान के कार्य से ग्रामीण अर्थव्यवस्था कों मजबूती प्रदान करते हुए अधोसंरचना विकास एवं रोजगार के नित्य नए अवसर ग्रामीणों को उपलब्ध हो रहें है।

भटगांव में एक और नवाचार, समूह की महिलाएं लेमनग्रास से निकाल रहीं तेल

धमतरी के रीपा गौठान भटगांव में एक और नवाचार

अब तक 85 लीटर लेमनग्रास तेल उत्पादित, एक लाख रुपए से भी ज्यादा का हुआ मुनाफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अब तक 85 लीटर लेमनग्रास तेल उत्पादित, एक लाख रुपए से भी ज्यादा का हुआ मुनाफा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में गौठान कितना कारगर और सशक्त माध्यम बन सकता है, यह धमतरी जिले के भटगांव रीपा केन्द्र के महिला समूह से सीखा जा सकता है। इस जिले के धमतरी विकासखंड के सोरम-भटगांव में जय मां भवानी समूह न केवल लेमनग्रास की खेती कर रहा है, बल्कि वहां मशीन स्थापित कर लेमनग्रास से तेल भी उत्पादित कर रहा है। अब तक 85 लीटर लेमनग्रास तेल का उत्पादन कर और उसे बेचकर समूह को एक लाख दो हज़ार रुपए का मुनाफा हुआ है।

भटगांव सोरम के स्वसहायता समूह की महिलाओं ने अब मशीन से लेमनग्रास का तेल निकालने का काम शुरू कर दिया है। विदित हो कि महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) के तहत सोरम-भटगांव की 12 एकड़ बंजर भूमि को उपयोगी बनाने के लिए मनरेगा योजना और 14वें वित्त आयोग से भूमि सुधार किया गया। इसके बाद उद्यानिकी विभाग द्वारा समूह की महिलाओं को लेमनग्रास की खेती करने का प्रशिक्षण दिया गया और क्रेडा द्वारा सिंचाई व्यवस्था के लिए सोलर पम्प कनेक्शन दिया गया। फलस्वरूप सोरम में नौ एकड़ और भटगांव में तीन एकड़ क्षेत्र में लेमनग्रास की खेती की जा रही है। पिछले ढाई साल से लेमनग्रास की खेती कर रही जय मां भवानी स्व सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती किरणलता साहू बताती हैं कि पूर्व में उन्हें तेल निकलवाने के लिए निजी वेंडर पर निर्भर होना पड़ता था। इससे वाहन का किराया और समय का नुकसान तो होता ही था, साथ ही प्रति एकड़ 30 हजार रूपए तक की ही आमदनी हो पाती थी। श्रीमती साहू ने आगे बताया कि भटगांव में लेमनग्रास से तेल निकालने का संयंत्र स्थापित हो जाने से अब उनकी आय में दुगना इजाफा हो गया है और प्रति एकड़ 40-50 हजार रूपए की आमदनी हो रही है। गौरतलब है कि भटगांव में स्थापित तेल निकालने की मशीन से एक बार में 600 किलो लेमनग्रास से चार लीटर तक तेल निकाला जा सकता है। यह तेल बहुत ही उपयोगी होता है। इसका उपयोग सौंदर्य प्रसाधन, मच्छर अगरबत्ती, साबुन इत्यादि बनाने में किया जाता है। बाजार में इस तेल का मूल्य 1200 से 1500 रूपए प्रति लीटर है।

उल्लेखनीय है कि भटगांव स्थित गौठान में बहुत सी गतिविधियां सफलतापूर्वक संचालित की जा रही हैं, जिसकी सराहना प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 17 मई को यहां आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान की थी। उक्त रीपा गौठान में लेमनग्रास के अलावा बहुआयामी गतिविधियों के तौर पर जैविक खाद निर्माण, बकरीपालन, मुर्गीपालन, मशरूम उत्पादन, अचार बिजौरी निर्माण, गोमूत्र से जैविक दवा निर्माण, सब्जी उत्पादन, छत्तीसगढ़ी व्यंजन पर आधारित दीदी की रसोई आदि का यहां संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इन रोजगारमूलक नवाचारों से निश्चित तौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त और स्वावलंबी हुई है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किड्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर...

बुक डिपो संचालक से लाखों की ठगी, मामला दर्ज

राजनांदगांव (ए)। खैरागढ़ में शेयर ट्रेडिंग से रोजाना 20 फीसदी मुनाफे का झांसा देकर बुक डिपो संचालक से 5 लाख 80 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली गई है।

पीड़ित की शिकायत के बाद खैरागढ़ पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ 420 का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित माधव मल आहूजा ने बताया कि उनके मोबाइल नंबर पर बीते दिनों अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। उस व्यक्ति ने खुद को शेयर मार्केट के कैपिटल स्ट्रोक कंपनी का ब्रोकर बताया। आरोपी ने उन्हें शेयर ट्रेडिंग की पूरी जानकारी दी और निवेश की गई राशि पर रोजाना 20 फीसदी मुनाफे का झांसा दिया। पीड़ित उसके झांसे में आ गया, जिसके बाद आरोपी के डिमांड के मुताबिक बारी-बारी से कुल 5 लाख 80 हजार रुपए यूपीआई के माध्यम से आरोपी के एकाउंट में ट्रांसफर कर दिए। बाद संबंधित ने फोन उठाना बंद कर दिया। जिसके बाद माधव मल को ठगी का एहसास हुआ।

सड़क हादसे में आर्मी जवान उपसरपंच की मौत

जशपुर (ए)। मंगलवार की शाम को शहर के नजदीकी ग्राम जरिया में बाइक सवार दो युवक सड़क किनारे पेड़ से जा टकराए। इस घटना में दोनों बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। मृत युवक आपस में चरेरे भाई थे। एक आर्मी का जवान था तो दूसरा ग्राम पंचायत बुमतेल का उपसरपंच।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बुमतेल का उपसरपंच वीर कुंवर राम 32 वर्ष पिता रामदास राम मंगलवार की शाम को अपने चचेरे भाई सतीष राम भगत 28 वर्ष पिता ब्रजनाथ राम के साथ पल्सर बाईक से जशपुर के लिए निकले थे। बताया जाता है कि सतीष ने दो दिन पहले ही नई बाईक खरीदी थी और दोनों बाइक पर काफी तेजी से चल रहे थे। शाम 6.30 बजे जरिया के पास बाइक चालक ने बाइक पर से नियंत्रण खो दिया और तेज रफ्तार बाईक सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस घटना में बाइक सवार वीरकुंवर और सतीष को सिर में गंभीर चोटें आई थीं। दोनों को आसपास के लोगों की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। शाम 6:30 बजे डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

एक तरफा प्यार में सनकी आशिक ने कर दी महिला के प्रेमी की हत्या

दो दिन बाद चढ़ा पुलिस के हत्थे

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक तरफा प्यार में सनकी आशिक ने युवती के प्रेमी की हत्या कर दी। युवक जिस महिला से प्यार करता था वह किसी और को चाहती थी। यह बात युवक को नहीं जची और उस पर इतनी सनक सवार हुई कि उसने महिला से मिलने पहुंचे युवक को उसी के घर सामने मौत के घाट उतार दिया और शव को वहीं छोड़कर फरार हो गया।

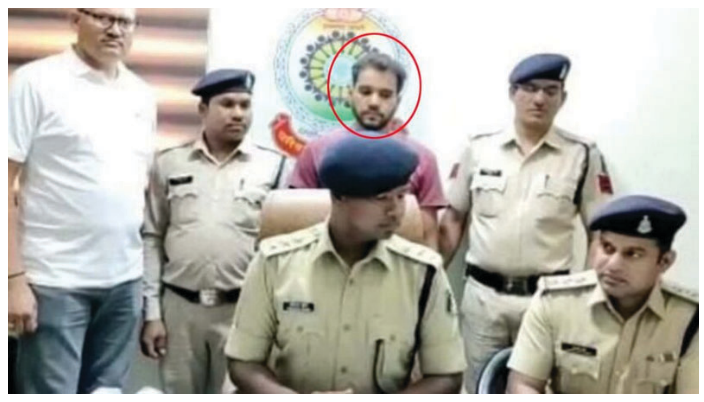

दूसरे दिन पुलिस को युवक की खून से लतपथ मिली। हालांकि आरोपी युवक ज्यादा दिन बच नहीं सका और पुलिस के हत्थे चढ़ गया। मामला कोरबा के कटघोरा थाना क्षेत्र का है। इस मामले में पुलिस आरोपी को जेल भेज दिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक छुरी बस्ती में 23 मई को स्थानीय निवासी सुभाष देवांगन (36) का शव उसकी ही प्रेमिका के घर के सामने खून से लथपथ मिला था। सुभाष अपनी प्रेमिका से ही मिलने के लिए देर रात पहुंचा था। सुबह उसका शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि जिस महिला से मृतक का प्रेम संबंध था उससे बस्ती का ही रहने वाला बलराम साहू भी एक तरफा प्यार करता था।

पुलिस ने इसके बाद शक के आधार पर बलराम साहू को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की। शुरुआत में तो वह टाल मटोल करता रहा लेकिन बाद में उसने हत्या की बात मान ली। आरोपी बलराम साहू ने पुलिस को बताया कि, वह महिला से प्यार करता था। उसे पता था कि रविवार रात करीब 11 बजे सुभाष अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए आने वाला है। इस पर वह पहले ही घात लगाकर महिला के घर के पास बैठ गया। रात में जैसे ही सुभाष वहां पहुंचा, बलराम साहू ने मछली काटने वाले औजार से सुभाष के सिर और गर्दन पर एक के बाद एक कई वार कर दिए। इसके चलते सुभाष खून से लथपथ वहीं गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपी वहां से भाग निकला। आरोपी बलराम की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिया है।

रायगढ़ में छात्र की हत्या स्कूल कैंपस के निर्माणाधीन भवन में मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्कूली छात्र की हत्या का मामला सामने आया है। बच्चा बुधवार शाम से लापता था और गुरुवार को उसकी खून से लथपथ लाश कैंपस के ही निर्माणाधीन भवन में मिला है। बच्चा इसी स्कूल में कक्षा 6वीं में पढ़ता था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची हुई है और मामले की जांच की जा रही है। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। फिलहाल आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक, चिराई पानी ग्राम पंचायत निवासी हीरालाल चौहान का बेटा प्रतीक चौहान गांव के ही शासकीय प्राथमिक स्कूल में 6वीं कक्षा की पढ़ाई करता था। बुधवार शाम को वह अचानक लापता हो गया। काफी तलाश के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद बच्चे के पिता कोतरा रोड थाने में रिपोर्ट लिखाने पहुंचे। इस बीच गुरुवार की सुबह स्कूल के पास खेल रहे कुछ बच्चों ने प्रतीक चौहान का शव देखा तो गांव वालों को सूचना दी।

जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में बच्चे के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। बच्चे को घसीटे जाने के निशान भी मिले है। बच्चे की हत्या कर शव को यहां ठिकाने लगाया गया है। पुलिस ने घटना स्थल को सील कर दिया है। वहीं मौके पर डॉग स्क्वाड व फोरेंसिक टीम पहुंच गई है। पुलिस फिलहाल आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

बस स्टैंड में यात्रियों से लूटपाट: धोखाधड़ी रोकने अवैध एजेंटों की पहचान शुरू, दो दिन में 40 का वेरिफिकेशन

रायपुर (ए)। भाठागांव बस स्टैंड में यात्रियों से लूटपाट, मारपीट और छीनाझपटी जैसी वारदात करने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान शुरू कर दी गई है। बस स्टैंड परिसर में सक्रिय ऐसे लोगों का वेरिफिकेशन किया जा रहा है। यातायात थाना परिसर में परिवहन विभाग और यातायात महासंघ की ओर से बुकिंग एजेंडों को परिचय पत्र देने के लिए वैध एजेंटों की पहचान की जा रही है।

दो दिन में 40 से ज्यादा लोग पहचान प्रक्रिया के लिए पहुंच चुके हैं। 31 मई तक सभी लोगों को परिचय पत्र बांट दिए जाएंगे। इसके बाद बस स्टैंड में बिना परिचय पत्र के टिकट बुक करने वालों के खिलाफ परिवहन विभाग, ट्रैफिक पुलिस मिलकर कार्रवाई करेगी। बस स्टैंड परिसर में अवैध रूप से सक्रिय एजेंट्स के कारण लोगों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

रोज यहां यात्रियों के साथ मारपीट, छीना-झपटी और दुर्व्यवहार जैसी वारदातें हो रही थीं। कई बस आपरेटर खुद इस तरह से अवैध लोगों को रखकर बुकिंग का काम कर रहे हैं। यातायात महासंघ ने इसकी शिकायत कई बार परिवहन विभाग, पुलिस से की। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। पिछले दिनों यातायात महासंघ ने इन गतिविधियों को लेकर आपरेटरों की बैठक ली।

महासंघ के अध्यक्ष सैयद अनवर अली ने कहा कि लगातार शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर इसकी शिकायत मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री से की गई। 24 मई से परिवहन विभाग ने बस स्टैंड में यातायात थाना परिसर में वैध बुकिंग एजेंट्स की पहचान की प्रक्रिया शुरू की है। उनसे आवेदन मंगाए जा रहे हैं। साथ में जरूरी दस्तावेज भी। इसके बाद पुलिस उनका वेरिफिकेशन करेगी।

अवैध एजेंट्स को बस स्टैंड परिसर से बाहर करने के लिए परिवहन विभाग, यातायात पुलिस और यातायात महासंघ के सहयोग का वेरिफिकेशन शुरू किया गया है। 31 मई तक वेरिफिकेशन के बाद जिन लोगों को परिचय पत्र जारी किया जाएगा, सिर्फ वे ही बुकिंग कर सकेंगे।

-शैलाभ साहू, जिला परिवहन अधिकारी रायपुर

छत्तीसगढ़ के कोरबा में बस पलटी और ट्रक से भिड़ी, 12 से ज्यादा घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में गुरुवार को तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इनमे से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। मामला जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र का है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मिली जानकारी के अनुसार कोरबा से बांगो जाने के लिए सिटी बस निकली थी। बस कटघोरा से आगे जेंजरा चौक के पास पहुंची थी कि अनियंत्रित होकर पलट गई। बस की रफ्तार इतनी तेज थी कि सड़क पर पलटने के बाद घिसटते हुए सामने से आ रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर दौड़े और वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू हुआ। इस बीच सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई। घायलों को एंबुलेंस से कटघोरा स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

महिला डेढ़ साल की बेटी को लेकर कुएं में कूदी मां-बेटी की डूबकर मौत

जशपुर (ए)। जशपुर जिले के सन्ना थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने डेढ़ साल की बच्ची के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। महिला ने अपने आंचल में बच्ची को बांधा और कुएं में छलांग लगा दी। मां और बच्ची दोनों की मौत डूबकर हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, सन्ना थाना क्षेत्र के ग्राम बलादरपाठ में 22 वर्षीय सोनी यादव ने अपनी डेढ़ साल की बच्ची के साथ लगभग 55 से 60 फीट गहरे कुएं में कूदकर जान दे दी। पुलिस ने बताया कि मृतका सोनी यादव ग्राम पंचायत करडीह के आश्रित ग्राम बलादर पाठ की रहने वाली थी। जिस वक्त उसने आत्महत्या की, उस समय घर के सभी सदस्य काम पर बाहर गए हुए थे। घर वालों के बाहर जाते ही महिला ने घर के पास कुएं में डेढ़ साल की बच्ची के साथ कूदकर जान दे दी।

जब घरवाले वापस घर लौटे, तो महिला और बच्ची लापता थी। उन्होंने उसे गांव में ढूंढा, लेकिन वो नहीं मिली। घटना की जानकारी एक दिन बाद लोगों को तब लगी, जब महिला ओर बच्चे का शव कुएं के पानी के ऊपर आ गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल सन्ना थाना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर शव को कुएं से बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

सन्ना पुलिस ने बताया कि महिला के पति और परिवार से पूछताछ की तैयारी की जा रही है। इधर मृतका के मायके वालों ने दामाद पर बेटी को परेशान और मारपीट करने का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार बेटी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। रांची में महिला का इलाज चल रहा था। पति महिला के इलाज में पैसा अधिक खर्च होने की बात को लेकर हमेशा लड़ाई करता रहता था और उसके साथ मारपीट भी करता था। इससे सोनी परेशान हो चुकी थी। कुछ दिन पहले ही मृतका ने फोन कर उसे खाना नहीं देने की बात बताई थी। वहीं डेढ़ साल की बच्ची भी भूखी रहने के कारण रोती रहती थी।

रायपुर में मिला लाखों का चरस-गांजा: भोपाल के तस्कर पकड़े गए, नाइट क्लब्स में खपाने की थी तैयारी

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में जीआरपी और शहर की पुलिस ने नशे के खिलाफ की बड़ी कारवाई की है। रायपुर की पुलिस को लाखों का चरस और गांजा मिला है। इसकी तस्करी करने वाले युवकों को पुलिस ने पकड़ लिया है। मगर उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है जिन्होंने डील करते हुए चरस रायपुर मंगवाया। खबर है कि यह चरस रायपुर के कई नाइट क्लब्स, कारोबारी परिवार से जुड़े यंगस्टर्स के बीच दी जानी थी। इससे पहले भी नशे की अवैध खेप रायपुर की पुलिस ने पकड़ी मगर उन लोगों तक नहीं पहुंची जिन्होंने इसकी डील की।

इस बार यह कार्रवाई रायपुर के एंटी क्राइम यूनिट और रेलवे की पुलिस ने की है। दो अलग-अलग मामलों में पुलिस को चरस और गांजे की बड़ी खेप मिली है। इनकी कीमत करीब 7 लाख रुए बताई जा रही है। पहली कार्रवाई रेलवे पुलिस की रही। पुलिस को तस्करों के पास से करीब 5 लाख का 48 किलो गांजा मिला है।

जीआरपी ने इन बदमाशों को पकड़ा

रेलवे पुलिस ने एलटीटी एक्सप्रेस की एसी बोगी से दो युवकों को पकड़ा है। यह उड़ीसा के ढेकनाल से भुसावल तक का सफर कर रहे थे। इनके पास अलग-अलग बैग से 48 किलो गांजा मिला है। रेलवे पुलिस ने इस मामले में दिल्ली के रहने वाले रॉकी और चंडीगढ़ के रहने वाले विशाल को गिरफ्तार किया है। यह गांजा किसके लिए लेकर जा रहे थे इस संबंध में पुलिस पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक इससे पहले भी रायपुर के रास्ते कई बार गांजे की डिलीवरी करने जा चुके हैं।

एमपी से आई चरस

दूसरी कार्रवाई रायपुर पुलिस की स्पेशल युनिट एंटी क्राइम सायबर युनिट की है। सिविल लाइन इलाके के एक होटल में चरस सप्लायर्स के ठहरने का इनपुट मिला। पुलिस की टीम आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ने निकली। होटल में जाकर इनके कमरे में छापा मारा गया। रेड की कार्रवाई के दौरान कमरे में 3 लोग मिले पूछताछ में इन्होंने अपना नाम सिद्धार्थ जयंत, शिवम तिवारी और आदित्य लोखंडे होना बताया। सिद्धार्थ और शिवम भोपाल के रहने वाले हैं। इनके बैग की तलाशी लेने के लिए जाने पर इनके पास से 142 ग्राम चरस मिली।

स्थानीय स्तर पर चर को खपाने में आदित्य इनकी मदद कर रहा था। आदित्य रायपुर का निवासी बताया जा रहा है। इनके पास से मिली नशे की छोटी-छोटी पुड़िया की कीमत करीब 2 लाख रुपए है। इन तीनों के फोन जप्त कर लिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक सिद्धार्थ और शिवम इससे पहले भी कई बार कई बार रायपुर आ चुके हैं।

रायपुर के कई मशहूर बड़े नाइट क्लब में यह खपाई जाती है। कई कारोबारी और नेताओं से जुड़े युवक युक्तियां इस चरस का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि चरस जिनके ऑर्डर पर युवक भोपाल से लेकर रायपुर आए उनपर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। क्राइम यूनिट के अफसरों ने यह जरूर कहा कि इनसे पूछताछ की जा रही है, स्थानीय स्तर पर कौन लोग इनके ग्राहक हैं यह पता लगाया जा रहा है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

संक्षिप्त मैन्युअल निविदा सूचना क्रमांक-18

ज्ञा.क्रं 805/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2023-24 — दुर्ग, दिनांक 23.05.2023

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से स्कूल भवन में जीर्णोद्धार कार्य अंतर्गत विकास खण्ड पाटन अंतर्गत ग्रुप क्रमांक 1,5,20,24 एवं विकासखण्ड धमधा अंतर्गत ग्रुप क्रमांक 9,11,12,14,15,17,18,19,21,22,28 में प्रति ग्रुप 20.00 लाख अन्दर निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://res.cg.gov.in में अथवा कार्यालयीन अवधि में दिनांक 24.05.2023 से देखी जा सकती है एवं डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 02.06.2023 तक है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)

जी-01663/4

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

यूनिवर्सल रेल मिल ने दैनिक उत्पादन का बनाया नया कीर्तिमान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की यूनिवर्सल रेल मिल, जो दुनिया की सबसे लंबी 130 मीटर रेल को सिंगल पीस में रोल करती है और भारतीय रेलवे को 260 मीटर वेल्डेड रेल पैनल की आपूर्ति करती है, ने 24 मई 2023 को कई नए रिकॉर्ड बनाए हैं। 3 मार्च 2023 को स्थापित पिछले सर्वश्रेष्ठ 3328 टन फिनिश्ड रेल उत्पादन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 24 मई 2023 को 3415 टन फिनिश्ड रेल का उत्पादन का नया रिकॉर्ड दर्ज किया। फिनिष्ड रेल उत्पादन के साथ-साथ एक दिन में सबसे अधिक प्राइम रेल उत्पादन का नया रिकॉर्ड दर्ज करते हुए मिल ने 3321 टन प्राइम रेल का उत्पादन किया, जो 3 मार्च 2023 को उत्पादित 3194 टन प्राइम रेल के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से कहीं अधिक है। यूनिवर्सल रेल मिल ने 4 सितंबर 2022 को स्थापित 130 मीटर रेल्स के 300 नग रोलिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 24 मई, 2023 को 130 मीटर रेल्स के 337 नग रोलिंग कर दैनिक उत्पादन का नया कीर्तिमान भी स्थापित किया है। इस कड़ी में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल ने 24 मई 2023 को सर्वश्रेष्ठ 437 नग रेलों का विजुअल इंस्पेक्शन का नया कीर्तिमान दर्ज करते हुए 3 मार्च 2023 को दर्ज किए 426 नग रेलों के विजुअल इंस्पेक्शन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। यूआरएम ने एनडीटी (नॉन-डिस्ट्रिटिव टेस्टिंग) के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ 430 नग रेलों का परीक्षण किया, जो 3 मार्च 2023 को एनडीटी परीक्षण के पिछले सर्वश्रेष्ठ 417 नग रेलों की तुलना में अधिक है।

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यों की वस्तु-स्थिति जानने के लिए कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

दुर्ग। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत चलने वाले निर्माण कार्य की वस्तु स्थिति का जायजा लेने के लिए कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा द्वारा आज संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्टोरेट सभाकक्ष में किया गया था, जिसमें निर्माण कार्यों की भौतिक प्रगति को लेकर चर्चा की गई। कलेक्टर ने उपस्थित अभियंताओं को विभिन्न कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा की पूर्ति समय-सीमा में हो इसके लिए निर्देश दिए। उन्होंने समग्र शिक्षा व मुख्यमंत्री जतन योजना के तहत् चलने वाले कार्य को शीघ्र शत-प्रतिशत पूर्ण करने के लिए कहा। ताकि आने वाले शिक्षा सत्र में विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए एक बेहतर वातावरण मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत् होने वाले सड़क निर्माण कार्य की भी समीक्षा हुई। इस अवसर पर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के मुख्य कार्यपालन अभियंता व अन्य उप अभियंता उपस्थित थे।

झीरम घाटी के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

दुर्ग। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में झीरम श्रद्धांजलि दिवस मनाया गया। इस अवसर पर झीरम घाटी के शहीदों की याद में दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। बस्तर के झीरम घाटी में आज से दस वर्ष पूर्व 25 मई 2013 को नक्सल हमले में छत्तीसगढ़ के कई वरिष्ठ राजनेता एवं सुरक्षा कर्मी शहीद हुए थे। जिनके स्मरण में जिला प्रशासन अंतर्गत सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रदेश में शांति, विश्वास, सुरक्षा और खुशहाली सुनिश्चित करने के लिए हमेशा काम करते रहने की शपथ दिलाई गई।

मरोदा में शुरू हुआ रिसाली का पहला चैपाटी, सड़क किनारे सामान बेचने वालों को मिली व्यवस्थित जगह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई/रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली का पहला चैपाटी व पौनी पसारी का लोकार्पण दुर्ग ग्रामीण विधायक व गृह एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री ताम्रध्वज साहू ने किया। मंत्री ने नगर पालिक निगम द्वारा तैयार परिचय पत्र का वितरण भी किया। लोकार्पण अवसर पर मंत्री ने कुल लगभग 2 करोड़ 91 लाख का भूमिपूजन भी किया।

मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि मैने 45 साल पहले से मरोदा को देखते आ रहा हूँ। आज मरोदा की तस्वीर बदल चुकी है। श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र में हमने फुटकर व्यापारियों को बेहतर व्यवसाय देने निगम का पहला चैपाटी तैयार किया है। साथ ही सड़क किनारे पसरा लगाकर व्यवसाय करने वालों के लिए पौनी पसारी तैयार किया है। रिसाली निगम बनने के बाद हमारी कोशिश है कि हर क्षेत्र में विकास हो।

लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी महामंत्री जितेन्द्र साहू, महापौर परिषद के सदस्य चन्द्रभान सिंह ठाकुर, गोविंद चतुर्वेदी, अनुप डे, सनीर साहू, सोनिया देवांगन, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, ईश्वरी, परमेश्वर, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकुंद भाऊ, पार्षद रेखा देवी, ममता सिन्हा, विनय नेताम, गजेन्द्री कोठारी, डोमन लाल बारले, सीमा साहू, सरिता देवांगन, विलास बोरकर, जमुना ठाकुर, जाहिर अब्बास, अनिल कुमार, एल्डरमेन संध्या वर्मा, संगिता सिंह, शिशिर साहू, अजीत यादव, संतू दास, मो. निजाम, आदि उपस्थित थे।

सब्जियों से तौला मंत्री को

गुरूवार को गृहमंत्री गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने शासन की योजना के तहत रिसाली नगर पालिक निगम द्वारा तैयार पौनी पसारी का उद्घाटन किया। निगम ने पौनी पसारी का चबूतरा स्थानीय लोगों को आबंटित किया है। वर्षो से सड़क किनारे पसार लगाकर व्यवसाय करने वाले सब्जी विक्रेताओं ने आभार व्यक्त करते हुए गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को सब्जी से तौलकर सब्जी का वितरण किया। पौनी पसारी का उद्घाटन करने के बाद गृहमंत्री साहू ने फुटकर सब्जी व्यापारियों से चर्चा की। साथ ही पौनी पसारी में पसरा लगाने वाले सब्जी विक्रेताओं से मुनगा, खीरा, टमाटर व भाजी सहित अन्य सब्जियों की खरीदारी की।

इन कार्यो का हुआ भूमिपूजन, लोकार्पण

वार्ड 18 में विद्युतीकरण 4.20 लाख, वार्ड 19 इंदिरा चौक से विजय चौक तक विद्युतिकरण 8.40 लाख, उमरपोटी रोड तालाब का सौंदर्यीकरण 16.58 लाख, पटेल पारा आंगनबाड़ी के पास उद्यान निर्माण 3.89 लाख, वार्ड 21 मिनीमाता आंगनबाड़ी केन्द्र 9 अधुरे भवन को पूर्ण करने 3 लाख, बजरंग पारा जर्जर आंगनबाड़ी भवन को पुनः निर्माण कार्य 7 लाख, तालाब निर्माण 6.18 लाख, वार्ड 16 में आंगनबाड़ी भवन निर्माण 6.50 लाख, वार्ड 20 में मरोदा चैपाटी कार्य 28 लाख, पौनी-पसारी कार्य 15 लाख, चैक सौंदर्यीकरण 4 लाख, स्टेशन मरोदा गार्डन निर्माण 20 लाख, शंकरपारा तालाब जीर्णोद्धार 20 लाख, वार्ड 32 दशहरा मैदान के पास उद्यान निर्माण 19.98 लाख आदि शामिल है।

कुपोषित बच्चों को पोषण की श्रेणी में लाना सभी की होनी चाहिए प्राथमिकता - कलेक्टर

■ **आंगनबाड़ी के अधोसंरचना व मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति पर ध्यान दें अधिकारी**

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग के कामकाज की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने क्षेत्र में संचालित आंगनबाड़ी के अधोसंरचना की मरम्मत और मूलभूत आवश्यकता जैसे पानी, बिजली व शौचालय इत्यादि पर संबंधित अधिकारियों को विशेष रूप से ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के इंजिनियर के साथ समन्वय स्थापित कर आने वाले बरसात के पूर्व मरम्मत कार्य विभाग व डीएमएफ के फंड से पूर्ण कराने के लिए कहा।

बैठक में कलेक्टर ने आदर्श आंगनबाड़ी केन्द्र बनाने, ई-कवच सैम के अंतर्गत पंजीकरण, पोषण ट्रैकर फिडिंग सहित अन्य कई बिंदुओं पर उपस्थित अधिकारियों से चर्चा की गई। 6 माह से लेकर 5 साल तक के अधिक कुपोषित (सैम) बच्चों का ईलाज करने के लिए उन्होंने ब्लॉक स्तर पर विशेष यूनिट शुरू करने के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही गंभीर कुपोषित बच्चों (सैम) के चिन्हांकन के लिए कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर परीक्षण करने के लिए निर्देशित भी किया। उन्होंने अति कुपोषित श्रेणी (सैम) में आने वाले बच्चों के लिए समुदाय प्रबंधन पर आधारित गतिविधियों को युद्धस्तर पर चलाने के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया ताकि कुपोषित बच्चों के ग्राफको जिले में कम किया जा सके। उन्होंने कहा 5 साल तक के सैम विद कॉम्पलीकेशन वाले बच्चों को एन.आर.सी. में भर्ती कर उचित प्रबंधन के माध्यम से शीघ्र पोषण की श्रेणी में लाना उपस्थित अधिकारियों के प्राथमिकता में होना चाहिए।

40 लाख की लागत से संवरेगा वार्ड 50 का सरकारी स्कूल भवन, विधायक देवेंद्र यादव ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वार्ड 50 खुर्सीपार स्थित सरकारी स्कूल का जीर्णोद्धार किया जाएगा। भिलाई नगर विधायक की पहल से पूरे स्कूल भवन का जीर्णोद्धार होगा। जिसका आज भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे विधि विधान के साथ भूमिपूजन किया गया। स्कूल के शिक्षक व प्राचार्य के हाथों से विधायक देवेंद्र यादव ने भूमिपूजन कार्यक्रम को संपन्न करवाया।

बता दें खुर्सीपार वार्ड 50 का यह स्कूल काफी पूराना है। भवन भी पुराना हो चुका है। स्कूल प्रबंधन ने स्कूल में बच्चों के सायकल रखने के लिए सायकल स्टैंड, प्रवेश द्वार, भवन जीर्णोद्धार सहित कई अन्य जरूरी सुविधाओं की मांग की थी। जिनके मांग को पूरा करते हुए विधायक देवेंद्र यादव ने पहल की। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा कि एक समय था, जब खुर्सीपार अलग ही हुआ करता था, यहां कोई नेता झांकने तक नहीं आता था। लेकिन अब आप सब खुद देख रहे हैं। खुर्सीपार कितना बदल गया है।

विधायक देवेन्द्र ने कहा कि यहां के बच्चों में बहुत सारी प्रतिभा, खेल, शिक्षा सभी क्षेत्र में बच्चे अग्रणी है,परंतु इन्हें अवसर नहीं मिल पा रहा था। लेकिन जब से हमारी सरकार प्रदेश में आई है। हमने स्कूल ही नहीं शिक्षा व्यवस्था में भी सुधार किया है। सबसे पहले पूरे देश में सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूल की शुरूआत हमने की और इससे भी बड़ी बात यह है कि खुर्सीपार से इसकी शुरूआत हुई है। प्रदेश भर में स्वामी आत्मानंद स्कूल है। वे पालक जो अपने बच्चे को पाइवेट में पढ़ा नहीं पा रहे थे, वे अब अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ा रहे हैं। और उनके बच्चे फर्राटेदार अंग्रेजी बोल रहे हैं।

विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधा देने हर संभवन प्रयास किया और आगे भी करते रहेंगे। अब खुर्सीपार में एक भी स्कूल नहीं है जो जर्जर होंगे। शिक्षा के साथ ही हमने खेल शिक्षा देने के लिए भी ग्राउंड तैयार किए। इस दौरान स्कूल भवन जीर्णोद्धार की पहल के लिए स्कूल प्रबंधन ने विधायक देवेन्द्र आभार व्यक्त किया। स्कूल प्रबंधन ने कहा कि हम सभी बहुत आभारी है, कि हमारे विधायक ने हमारी मांगों को गंभीरता से लिया और स्वीकृति भी दे दी। आज भूमिपूजन भी किया गया। इसके लिए हम सब उनका धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

डिप्टी सेक्रेटरी राहुल पचौरी ने जिले के सैजेस स्कूलों का किया निरीक्षण, बच्चों से की बात, गुणवत्ता भी परखी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग (एजेंसी)। राहुल पचौरी डिप्टी सेक्रेटरी भारत शासन नई दिल्ली के द्वारा दुर्ग जिले के आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल का निरीक्षण किया गया। पचौरी द्वारा सर्वप्रथम शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल पाटन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों से विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उनके द्वारा अटल टिंकरिंग लैब, फिजिक्स लैब, केमिस्ट्री लैब, बायो लैब, पुस्तकालय आदि में जाकर बच्चों से चर्चा की गई।

बच्चों द्वारा पुस्तकालय में पढ़े हुए पुस्तकों की जानकारी लेते हुए उन्होंने बच्चों को स्वयं कहानी की पुस्तके निकालने को कहा गया। भौतिक प्रयोगशाला में बच्चों द्वारा वर्नियर कैलिपर्स के माध्यम से वस्तु की लंबाई की गणना कराई गई ।इसी प्रकार बायोलॉजी लैब में उनके द्वारा मानव शरीर तंत्र के मॉडल पर विभिन्न जानकारियां बच्चों के माध्यम से ली गई। अटल टिंकरिंग में बच्चों द्वारा चश्मा के मॉडल का निर्माण कराया गया।

उसके पश्चात स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल जामगांव एम का प्रवास किया गया। वहां उन्होंने सभी शिक्षकों से एफएलएन, निपुण भारत, दीक्षा एप तथा निष्ठा के संबंध में जानकारी ली। विद्यार्थियों से बात करते हुए उन्होंने पुस्तकालय में एक छात्रा से पढ़ी हुई कहानी का सारांश जाना। यहां उन्होंने इंटरएक्टिव बोर्ड के संबंध में बच्चों को डेमोंसट्रेशन करने कहा। केमिस्ट्री लैब में विभिन्न सलूशन के बारे में जानकारी लैब असिस्टेंट से प्राप्त की। कंप्यूटर कक्ष में बच्चों द्वारा कंप्यूटर के माध्यम से विभिन्न आकृतियों का निर्माण कराया।

जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल द्वारा जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवम् हिंदी माध्यम स्कूल परिकल्पना को विस्तार से बताया गया ।उनके द्वारा इस योजना से लाभान्वित बच्चों की उपलब्धि का विस्तृत ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि जिले में डिजी दुनिया के अंतर्गत144 विद्यालयों में आईसीटी डिजिटल क्लास तथा स्मार्ट क्लास संचालित है जिनके 1011 शिक्षकों को इस क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि जिले के 4 हायर सेकेंडरी स्कूल में दो वर्षीय रोजगार उन्मुखी व्यवसायिक शिक्षा संचालित है।

रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य ब्रिजेश कुमार ने भिलाई स्टील प्लांट का किया भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एक दिवसीय प्रवास पर दिनांक 25 मई 2023 को रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य (वर्क्स) ब्रिजेश कुमार, भिलाई पहुंचे। इस्पात नगरी के प्रवास के दौरान ब्रिजेश कुमार ने भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न उत्पादक इकाईयों का अवलोकन किया और निष्पादन की समीक्षा की।

ब्रिजेश कुमार विमानतल से सीधा भिलाई निवास पहुंचे। भिलाई निवास में उनका स्वागत संयंत्र के कार्यपालक निदेशक एवं अतिरिक्त प्रभारी एस मुखोपाध्याय ने किया। भिलाई निवास के प्रांगण में ब्रिजेश कुमार ने वृक्षारोपण भी किया। संयंत्र का अवलोकन करने श्री ब्रिजेश कुमार, भिलाई निवास से सीधे संयंत्र परिसर में सेफ्टी एक्सीलेंस सेंटर पहुंचे, जहां उनका स्वागत मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तापस दासगुप्ता ने किया। सेफ्टी एक्सीलेंस सेंटर में उन्होंने सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी ली। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक जीपी सिंह उपस्थित रहे।

रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य ब्रिजेश कुमार ने संयंत्र के नवीनतम और अत्याधुनिक ब्लास्ट फर्नेस-8, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 और यूनिवर्सल रेल मिल का दौरा किया। उन्होंने ब्लास्ट फर्नेस-8 में हॉट मेटल उत्पादन प्रक्रिया और स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में क्रूड स्टील उत्पादन की प्रक्रिया को नजदीक से देखा। तत्पश्चात यूनिवर्सल रेल मिल में श्री ब्रिजेश ने विश्व की सबसे लम्बी 130 मीटर रेल का उत्पादन और 260 मीटर वेल्डेड रेल पैनल की लोडिंग की प्रक्रिया का अवलोकन व निरीक्षण किया। साथ ही श्री कुमार ने विभाग के अधिकारियों से भी बातचीत की।

इस्पात भवन में स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में अंजनी कुमार, अजय कुमार चक्रवर्ती, डॉ एके पंडा एवं शीर्ष प्रबंधन की उपस्थिति में ब्रिजेश कुमार का स्वागत किया गया।

जिले की वाटर कंजर्वेशन प्लान व रोडमैप के मुताबिक हो काम

■ **जल शक्ति अभियान केन्द्रीय दल के नोडल अधिकारी उप सचिव ने ली बैठक**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले की वाटर कंजर्वेशन प्लान तथा रोडमैप के मुताबिक जल संरक्षण का कार्य हो। साथ ही सभी स्कूलों व शासकीय बिल्डिंग में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम हो, ताकि वाटर रिचार्ज पुख्ता हो सके। यह बात जल शक्ति अभियान के संबंध में भारत सरकार के जल शक्ति अभियान केन्द्रीय दल के नोडल अधिकारी उप सचिव श्री राहुल पचौरी ने अधिकारियों के बैठक में कही।

उन्होंने भ्रमण के दौरान पाटन विकासखण्ड के ग्राम बेलौदी, दरबार मोखली, लोहरसी में जल संरक्षण कार्यों तथा पाटन व जामगांव आर में स्वामी आत्मानंद स्कूल का अवलोकन करने का जिक्र करते हुए जिले में नरवा जैसी

योजनाओं के माध्यम से हो रहे वाटर रिचार्जिंग कार्यों की प्रसंशा की उन्होंने कहा की जिले में अभियान के तहत हो रहे अच्छे कार्यों को नेशनल पोर्टल में अपडेट करने कहा। उप सचिव श्री चौधरी नें जिले में वृक्षारोपण पर जोर देते हुए विभागीय कंजर्वेश से पौध रोपण कार्य पूर्ण कराने तथा अमृत सरोवर के कार्य 30 मई तक पूर्ण कराने कहा।

गांवों में योजनाबद्ध ढंग से कार्य करवायें

कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने अधिकारियों से कहा की अभियान के तहत जिले के विभिन्न गांवों में योजनाबद्ध ढंग से कार्य करवायें। अधिकारी आपसी ताल मेल स्थापित कर कार्य करें। अभियान के तहत सभी विभाग के अधिकारी जल संरक्षण, संवर्धन एवं प्रबंधन के तहत किये जाने वाले कार्यों को प्राथमिकता के साथ करें। जिला पंचायत सीईओ श्री अश्विनी देवांगन ने बताया कि अभियान के कार्यों की जियोटैगिंग की जा रही है। अमृत सरोवर के लिए भी जियोटैगिंग की गई है। उन्होंने जिले में नरवा योजना की विशेष रूप से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नरवा योजना के माध्यम से जल स्तर तेजी से बढ़ा है।

किसानों को मिल रही है दूसरी फसल

सीईओ ने बताया कि इससे किसान दूसरी फसल भी लेने लगे हैं। जिन गांवों के किनारे नरवा स्ट्रक्चर के कार्य हुए हैं वहां तेजी से जलस्तर बढ़ा है। इसके साथ ही पुराने स्ट्रक्चर का जीर्णोद्धार भी हुआ है जिससे सिंचाई के क्षेत्र में पुख्ता कार्य जिले में हुआ है। जलसंसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने विस्तार से सिंचाई के क्षेत्र में किये गये कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धमधा जैसे क्षेत्र जहां जलसंकट रहता था। वहां नरवा के कार्य एवं सिंचाई योजनाओं के माध्यम से सिंचाई के रकबे में प्रभावी वृद्धि की गई है। पाटन क्षेत्र में लिफ्ट इरीगेशन योजनाओं के माध्यम से रकबे में वृद्धि की गई है। बैठक में जल संसाधन, शिक्षा, पीएचई, सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जिला अस्पताल में ओवरी सिस्ट का हुआ सफल ऑपरेशन

■ **स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की बड़ी उपलब्धि**

दुर्ग। जिला चिकित्सालय दुर्ग को मिली एक और बड़ी उपलब्धि। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक से प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्या नगर दुर्ग निवासी श्रीमती राधिया बाई साहू उम्र 46 साल पिछले एक महीने से अपने पेट दर्द की समस्या को लेकर जिला चिकित्सालय दुर्ग में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्मिता सिन्हा के पास ईलाज करने पहुंची।

विशेषज्ञ द्वारा लक्षण के आधार पर जांच करने के बाद उन्हें सोनोग्राफी करने की सलाह दी गई। सोनोग्राफी के बाद जांच में पाया गया कि उनके ओवरी में गांठ बना हुआ है, जिसे श्लेष्म सिस्टेडेनोमा कहा जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ ने मरीज को ऑपरेशन कराने की सलाह दी। महिला का ऑपरेशन कर 3.8 किलो का सिस्ट निकाला गया। इसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्मिता सिन्हा एवं टीम डॉ. बसंत चौरसिया आदि का योगदान रहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950